दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005

www.asliazadi.com

■ वर्ष: 21, अंक: 85 ■ दमण, बुधवार 17 दिसंबर 2025 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

प्रशासक प्रफुल पटेल ने लक्षद्वीप में राजभवन का किया निरीक्षण

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, लक्षद्वीप 16 दिसंबर। केन्द्रशासित प्रदेश लक्षद्वीप एवं श्रीडी के प्रशासक प्रफुल पटेल लक्षद्वीप के दौरे पर हैं। इस दौरे में प्रशासक प्रफुल पटेल लक्षद्वीप में चल रही विभिन्न विकास परियोजनाओं की ग्राउंड जीरो पर समीक्षा कर रहे हैं। इसी क्रम में प्रशासक प्रफुल पटेल ने राज भवन का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को उच्च गुणवत्ता के साथ समय पर कार्य पूर्ण करने के लिए उचित दिशानिर्देश भी दिये।

कचीगाम ग्राम पंचायत सरपंच फाल्गुनी पटेल का नया प्रयोग "सरपंच आपके द्वार"

■ सरपंच फाल्गुनी पटेल ने पंचायत सदस्यों एवं पंचायत सेक्रेटरी के साथ कचीगाम ग्राम पंचायत के सभी वॉर्डों का दौराकर ग्रामजनों से मिलकर उनकी समस्याओं और विकास जरूरतों को समझा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 16 दिसंबर। कचीगाम ग्राम पंचायत सरपंच फाल्गुनी पटेल ने अपनी पंचायत में नया प्रयोग शुरू करते हुए सरपंच आपके द्वार अभियान शुरू किया। 10 दिसंबर से 16 दिसंबर तक चले इस अभियान में सरपंच फाल्गुनी पटेल ने कचीगाम ग्राम पंचायत के समस्त चुने हुए पंचायत सदस्यों एवं पंचायत सेक्रेटरी की उपस्थिति में घर-घर जाकर ग्रामवासियों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की एवं प्रशासन की मदद से उनकी समस्याओं के शीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया। सरपंच फाल्गुनी पटेल ने सभी ग्रामजनों को यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन तथा आदरणीय प्रशासक श्री प्रफुलभाई पटेल जी के कुशल नेतृत्व में जारी जन कल्याण के लिए विकास कार्यों एवं योजनाओं के बारे में अवगत कराया। इस दौरान केंद्र सरकार और संघ प्रशासन की योजनाओं से लाभान्वित ग्रामीणों में काफी उत्साह दिखा। इस अभियान में सरपंच फाल्गुनी पटेल के साथ जिला पंचायत सदस्य हंसा धोडी, पंचायत सदस्यों में जिग्नाशाबेन, सोनलबेन, विपुलभाई, जिग्नेशभाई, हिरेनभाई, छायाबेन, जयश्रीबेन, रितेशभाई एवं पंचायत सेक्रेटरी निखिलभाई शामिल रहे।

सांसद उमेश पटेल ने लोकसभा में मोदी सरकार के रिपीलिंग एंड अमेंडिंग बिल का किया समर्थन

■ बदलाव प्रकृति का स्वभाव है और पुराने कानूनों को साफ करना सराहनीय है, जिससे कानूनी ढांचा सरल और स्पष्ट बनेगा: सांसद उमेश पटेल ■ सांसद उमेश पटेल ने महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े 2021 के मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी (अमेंडमेंट) एक्ट, पर्यावरण संरक्षण के लिए 2022 के एनर्जी कंजर्वेशन (अमेंडमेंट) एक्ट और तटीय क्षेत्रों से संबंधित 2023 के कोस्टल एक्वाकल्चर अथॉरिटी (अमेंडमेंट) एक्ट तथा ऑफशोर मिनरल एक्ट जैसे महत्वपूर्ण कानूनों पर सतर्कता बरतने और हितधारकों से परामर्श करने का अनुरोध भी किया

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली 16 दिसंबर। संघ प्रदेश श्रीडी के दमण-दीव सीट के सांसद उमेश पटेल ने आज संसद में मोदी सरकार द्वारा लाये गये कानून निरस्त करने वाले विधेयक (रिपीलिंग एंड अमेंडिंग बिल) पर अपनी राय रखते हुए इसका समर्थन किया। लेकिन महत्वपूर्ण प्रावधानों की सुरक्षा और स्थानीय हितों पर जोर दिया। यह विधेयक 1886 के भारतीय ट्रामवे एक्ट से लेकर 2023 के विभिन्न संशोधन अधिनियमों तक के पुराने और अनावश्यक कानूनों को निरस्त करने का प्रस्ताव करता है। सांसद उमेश पटेल ने कहा कि बदलाव प्रकृति का स्वभाव है और पुराने कानूनों को साफ करना सराहनीय है, जिससे कानूनी ढांचा सरल और स्पष्ट बनेगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए 1886 का ट्रामवे एक्ट, 1976 का लेवी शुगर प्राइस इक्वालाइजेशन फंड एक्ट और 2023 के माइंस एंड मिनरल्स अमेंडमेंट एक्ट जैसे कानूनों के निरस्त होने को उचित बताया, यदि वे अब अप्रासंगिक या मुख्य अधिनियम में शामिल हो चुके हैं। हालांकि, सांसद ने चेतावनी दी कि महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े 2021 के मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी (अमेंडमेंट) एक्ट, पर्यावरण संरक्षण के लिए 2022 के एनर्जी कंजर्वेशन (अमेंडमेंट) एक्ट और तटीय क्षेत्रों से संबंधित 2023 के कोस्टल एक्वाकल्चर अथॉरिटी (अमेंडमेंट) एक्ट तथा ऑफशोर मिनरल एक्ट जैसे महत्वपूर्ण कानूनों को सतर्कता से देखा जाए। उन्होंने दमण एवं दीव जैसे तटीय संघ राज्य क्षेत्रों में मछुआरों, पर्यटन उद्योग और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव पर ध्यान देने तथा हितधारकों से परामर्श करने का अनुरोध किया। सांसद उमेश पटेल ने आदिवासी समुदायों के अधिकारों पर भी जोर दिया, विशेष रूप से शेड्यूल्ड कास्ट्स और शेड्यूल्ड ट्राइब्स ऑर्डर्स के संशोधनों के निरस्त होने पर उन्होंने कहा कि उनके क्षेत्र में आदिवासी बहुल आबादी है, जिनके अधिकारों को मजबूत रखना आवश्यक है। सांसद ने लॉ कमीशन की प्रक्रिया का हवाला देते हुए कहा कि निरस्तीकरण सावधानीपूर्वक होना चाहिए, जिसमें रिडंडेंसी टेस्ट, सबऑर्डिनेट लेजिस्लेशन का मूल्यांकन और सार्वजनिक विमर्श शामिल हो। उन्होंने सरकार से रिडंडेंसी टेस्ट का विस्तृत विवरण मांगा और सुझाव दिया कि भविष्य के विधेयकों में प्रत्येक निरस्त कानून के प्रभाव का विश्लेषण शामिल किया जाए, ताकि पारदर्शिता बढ़े। उमेश पटेल ने अंत में विधेयक को कानूनी सुधार की दिशा में सकारात्मक कदम बताते हुए इसका समर्थन किया।

सांसद उमेश पटेल ने लोकसभा में सबका बीमा सबकी रक्षा (बीमा कानून संसोधन) विधेयक 2025 पर रखे महत्वपूर्ण सुझाव

■ सांसद उमेश पटेल ने विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) की सीमा को 74% से बढ़ाकर 100% करने, विदेशी पुनर्बीमा कंपनियों के लिए पूंजी आवश्यकता कम करने, आईआरडीएआई को मजबूत प्रवर्तन अधिकार देने तथा एलआईसी को अधिक परिचालन स्वतंत्रता प्रदान करने जैसे प्रावधानों की प्रशंसा की

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली 16 दिसंबर। लोकसभा में आज सबका बीमा, सबकी रक्षा (बीमा कानून संशोधन) विधेयक, 2025 पर चर्चा के दौरान दमण एवं दीव से निर्दलीय सांसद उमेश पटेल ने विधेयक की सराहना करते हुए इसे बीमा क्षेत्र को मजबूत बनाने की दिशा में साहसिक कदम बताया। उन्होंने विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) की सीमा को 74% से बढ़ाकर 100% करने, विदेशी पुनर्बीमा कंपनियों के लिए पूंजी आवश्यकता कम करने, आईआरडीएआई को मजबूत प्रवर्तन अधिकार देने तथा एलआईसी को अधिक परिचालन स्वतंत्रता प्रदान करने जैसे प्रावधानों की प्रशंसा की। उमेश पटेल ने कहा कि यह विधेयक विदेशी पूंजी, तकनीक और विशेषज्ञता को आकर्षित करेगा, जिससे 2047 तक सभी के लिए बीमा का लक्ष्य साकार होगा और ग्रामीण एवं असेवित क्षेत्रों तक बीमा पहुंच बढ़ेगी। हालांकि सांसद ने विधेयक की कुछ कमियों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि कंपोजिट लाइसेंस (एक कंपनी को जीवन एवं गैर-जीवन बीमा दोनों संचालित करने की अनुमति) का प्रावधान न होना घरेलू कंपनियों के विविधीकरण को सीमित करेगा। नए बीमा कंपनियों के लिए पूंजी आवश्यकता कम न करना छोटे उद्यमों एवं स्टार्टअप्स के प्रवेश को बाधित करेगा। पूर्ण विदेशी नियंत्रण से मुनाफा विदेश भेजे जाने का खतरा है तथा उपभोक्ता संरक्षण और डेटा गोपनीयता पर पर्याप्त ध्यान न होना चिंता का विषय है। उमेश पटेल ने सरकार से संशोधनों पर विभिन्न मुद्दों पर विचार करने का आग्रह किया। जिसमें कंपोजिट लाइसेंस को शामिल करना,नए प्रवेशकों विशेषकर ग्रामीण क्षेत्र फोकस वाली कंपनियों के लिए पूंजी आवश्यकता कम करना, विदेशी निवेश पर सख्त शर्तें जैसे न्यूनतम निवेश अवधि, स्थानीय रोजगार सृजन एवं मुनाफा प्रत्यावर्तन पर सीमा लगाना, आईआरडीएआई को उपभोक्ता शिकायत निवारण एवं डेटा सुरक्षा के लिए मजबूत बनाना, सस्टेनेबल बीमा (जैसे जलवायु जोखिम बीमा) को बढ़ावा देने के प्रावधान जोड़ना शामिल है। इसके अतिरिक्त सांसद उमेश पटेल ने सभी श्रमिकों (नियमित, अनियमित, कॉन्ट्रैक्ट या दिहाड़ी मजदूर) के लिए जीवन बीमा अनिवार्य करने की मांग की। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना के बीमा कवर को 5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख रुपये करने, सभी निजी अस्पतालों को योजना में शामिल करने तथा बकाया भुगतान संबंधी केंद्रीय निगरानी की मांग उठाई, विशेषकर दादरा नगर हवेली एवं दमण-दीव जैसे क्षेत्रों के लिए। अंत में उमेश पटेल ने सदन से अपील की कि विधेयक पारित करने से पूर्व इन सुझावों पर चर्चा हो, ताकि यह आम आदमी के हितों की रक्षा करते हुए बीमा क्षेत्र को और मजबूत बनाए।

दाभेल ग्राम पंचायत में सरपंच हेमाक्षी पटेल की अध्यक्षता में ग्रामसभा का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 16 दिसंबर। ग्राम पंचायत डेवलपमेंट प्लान सबकी योजना सबका विकास 2026-27 के एक्शन प्लान को मंजूरी देने के लिए दाभेल ग्राम पंचायत में ग्रामसभा का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर दमण जिला पंचायत प्रमुख धरम पटेल, दाभेल ग्राम पंचायत सरपंच हेमाक्षी पटेल, जिला पंचायत सदस्य तोरल पटेल, बीडीओ मीहिर जोशी, पंचायत सदस्यों, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं ग्रामजनों की उपस्थिति रही। इस ग्रामसभा के दौरान ग्राम पंचायत डेवलपमेंट प्लान सबकी योजना सबका विकास 2026-27 के एक्शन प्लान को लेकर चर्चा विचारणा की गई। इस अवसर पर दमण प्रशासन के विभिन्न विभागों से आये हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विभिन्न योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी। इस दौरान ग्रामीणों ने भी अपने विचार रखे।

नितिन नबीन के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर इस नेता ने बताया... कांग्रेस के लिए शुभ संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल ने बिहार सरकार के मंत्री नितिन नबीन को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर टिप्पणी कर उनकी नियुक्ति को कांग्रेस के लिए शुभ संकेत बताया है और केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनने की उम्मीद जाहिर की है। उन्होंने नितिन नबीन की तुलना नितिन गडकरी से की, जो दिसंबर 2009 में भाजपा के अध्यक्ष बने थे। बघेल ने याद दिलाया कि जब गडकरी भाजपा अध्यक्ष बने थे, तब कांग्रेस की सरकार (यूपीए) बनी थी। उन्होंने कहा कि अब यह दूसरा नितिन आया है, इसलिए यह फिर से संकेत है कि केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनने वाली है। इस टिप्पणी का उद्देश्य कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उम्मीद जगाना और भाजपा के आंतरिक घटनाक्रम को अपने पक्ष में राजनीतिक रूप से भुनाना मालूम होता है। बात दें कि गडकरी दिसंबर 2009 में भाजपा के अध्यक्ष बने थे, और उसके कुछ ही महीनों बाद हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए ने जीत हासिल की थी। हालांकि, वह 2009 में भी यूपीए की ही सरकार थी (जो 2004 में बनी थी), और 2014 के बाद से कांग्रेस को लगातार हार का सामना करना पड़ा है।

नागपुर में रक्षा उत्पादों के निर्माण से जुड़ी कंपनी की हवाई पट्टी पर दिखा अज्ञात ड्रोन

नागपुर (एजेंसी)। नागपुर में रक्षा उत्पादों के निर्माण से जुड़ी सोलर इंडस्ट्रीज कंपनी की हवाई पट्टी के ऊपर एक अज्ञात ड्रोन दिखने से हड़कंप मच गया है। नागपुर-अमरावती रोड पर स्थित सोलर इंडस्ट्रीज की हवाई पट्टी (नागपुर से करीब 40 किमी दूर) है। कंपनी सोलर इंडस्ट्रीज रक्षा संबंधी उत्पादों जैसे सशस्त्र ड्रोन, सैन्य विस्फोटक, रॉकेट एकीकरण प्रणाली, लाइटरिंग मुनिशन्स, ड्रोन रोधी मिसाइलें, बम और युद्धक सामग्री का निर्माण करती है। घटना 9 दिसंबर को शाम करीब 7:15 बजे हुई। कंपनी के सुरक्षाकर्मियों ने हवाई पट्टी के ऊपर आसमान में एक टिमटिमाती रोशनी देखी। अंधेरे के कारण ड्रोन के आकार का अंदाजा नहीं लग सका। इसके बाद कार्रवाई करते हुए कोंधली पुलिस थाने में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस अधीक्षक डॉ. हर्ष पोद्दार ने जांच जारी होने की पुष्टि की। पुलिस ने आस-पास के गांवों (मलकापुर, शिवा, सवांगा) में तलाशी अभियान चलाया, यह पता लगाने के लिए कि कहीं ड्रोन किसी निजी समारोह से भटककर तो नहीं आ गया था। दो दिनों तक पुलिस टीम गांवों में तैनात रहीं, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। खुफिया ब्यूरो की एक टीम भी घटना की जांच कर रही है। इस घटना को राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि सोलर इंडस्ट्रीज संवेदनशील सैन्य उपकरणों का निर्माण करती है।

दिल्ली में पीयूसी के बिना नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल, सिर्फ बीएस-6 गाड़ियों को एंट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली और एनसीआर में लगातार बिगड़ती वायु गुणवत्ता के बीच सरकार ने प्रदूषण पर काबू पाने के लिए सख्त फैसले लिए हैं। मंगलवार को दिल्ली में एक बार फिर जहरीले स्मॉग की मोटी परत छाई रही, जिसके बाद पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कड़े प्रतिबंधों की घोषणा की। उन्होंने बताया कि 18 दिसंबर से दिल्ली में बिना वैध पीयूसी के किसी भी वाहन को पेट्रोल या डीजल नहीं दिया जाएगा। इसके साथ ही सरकार ने स्पष्ट किया है कि दिल्ली में केवल बीएस-6 मानक वाली गाड़ियों को ही प्रवेश की अनुमति होगी। बीएस-4 और उससे पुराने वाहनों की एंट्री पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। यह फैसला बढ़ते प्रदूषण स्तर और स्वास्थ्य पर पड़ रहे गंभीर प्रभावों को देखते हुए लिया गया है। पर्यावरण मंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया है, कि राजधानी में निर्माण कार्यों पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। कंस्ट्रक्शन मटीरियल ले जाने वाले वाहनों पर भी सख्ती बरती जाएगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों के चालान काटे जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार हालात की गंभीरता को समझते हुए कोई ढिलाई नहीं बरतेगी। मनजिंदर सिंह सिरसा ने दिल्लीवासियों से प्रदूषण की स्थिति को लेकर माफी भी मांगी। उन्होंने कहा कि नई सरकार हर दिन एयर क्वालिटी इंडेक्स में सुधार के लिए काम कर रही है और पिछली सरकार से विरासत में मिली प्रदूषण की समस्या को ठीक करने का प्रयास किया जा रहा है। मंत्री ने लोगों से अपील की कि वे नियमों का पालन करें और निजी वाहनों के बजाय सार्वजनिक परिवहन का अधिक इस्तेमाल करें।

एलडीएफ नेता रामजीत पर हमला, बीजेपी के छह कार्यकर्ता गिरफ्तार

अलप्पुझा (एजेंसी)। केरल के तटीय जिले अलप्पुझा में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के नेता पर हमला करने के आरोप में बीजेपी के छह कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना रविवार रात हुई थी, जब मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के स्थानीय नेता रामजीत और उनके दोस्त रेनिथ, नीलमपेरूर पंचायत गए थे, जहां हाल ही में हुए निकाय चुनावों में बीजेपी ने जीत हासिल की है। पुलिस ने बताया कि रामजीत और उसके दोस्त रेनिथ की शिकायत के मुताबिक छह बीजेपी कार्यकर्ताओं ने उन्हें रोका, उनके लिए अभद्र का इस्तेमाल किया, रामजीत की पिटाई की और फिर उसके सिर पर लाठी से वार किया। शिकायतकर्ताओं ने दावा किया कि हमला इसलिए किया गया क्योंकि वे पंचायत क्षेत्र में गए थे। पुलिस ने बताया कि उन्होंने छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि रामजीत का कोट्टायम मेडिकल कॉलेज में उपचार हो रहा है।

हीटर से आग लगने के कारण नानी और नाती की मौत

रांची (एजेंसी)। झारखंड के धनबाद के सरायढेला अंतर्गत विकास नगर में एक घर में देर रात हीटर से आग लगने के कारण नानी और उनके 18 वर्षीय नाती की मौत हो गई। घटना विकास नगर, सरायढेला थाना क्षेत्र, धनबाद में सोमवार-मंगलवार की देर रात को हुई। मृतक में 62 वर्षीय चिंता मणि देवी (नानी) और 18 वर्षीय गोलू (नाती) शामिल है। तीन अन्य लोग गंभीर रूप से झुलस गए, जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। ठंड से बचाव के लिए जलाए गए हीटर पर कंबल गिर गया, जिससे आग भड़की और पूरे कमरे में धुआं व आग फैल गई। घटना में चिंता मणि देवी की मौके पर ही मौत हो गई। उन्हें बचाने के प्रयास में नाती गोलू भी गंभीर रूप से झुलस गया और उसकी भी मौत हो गई। मोहल्ला संकरा होने के कारण बड़ी दमकल गाड़ी अंदर प्रवेश नहीं कर सकी। छोटी गाड़ी मंगाई गई। घर का निचला हिस्सा अंदर से बंद होने के कारण भी कर्मियों को भीतर जाने में परेशानी हुई।

कैश कांड केस: जस्टिस वर्मा की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का लोकसभा अध्यक्ष बिरला को नोटिस

-मामले की सुनवाई 7 जनवरी को

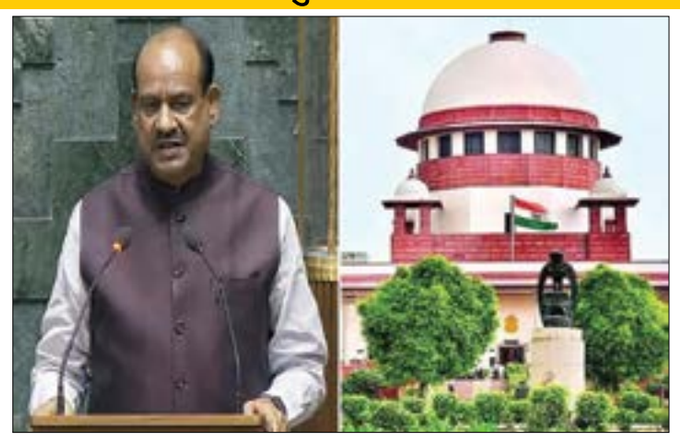

नई दिल्ली(एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा ने संसद में उनके खिलाफ शुरू की गई महाभियोग (इम्पीचमेंट) प्रक्रिया को चुनौती देकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। यह मामला उनके नई दिल्ली स्थित सरकारी आवास से जला हुआ कैश मिलने से जुड़ा है।

जस्टिस वर्मा का कहना है कि उनके मामले में जजेज इन्क्वायरी एक्ट 1968 में तय प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। उन्होंने लोकसभा स्पीकर द्वारा गठित तीन सदस्यीय जांच कमेटी को अवैध बताया है। उनका तर्क है कि कानून के अनुसार, जब किसी जज को हटाने का प्रस्ताव दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) में लाया जाता है, तब जांच समिति का गठन भी लोकसभा और राज्यसभा द्वारा संयुक्त रूप से किया जाना चाहिए, न कि सिर्फ लोकसभा अध्यक्ष के द्वारा। याचिका में कहा गया है कि लोकसभा अध्यक्ष द्वारा अकेले समिति बनाना कानून और संविधान दोनों के खिलाफ है। याचिका में कहा गया है कि महाभियोग प्रस्ताव को दोनों सदनों से एक ही दिन में पारित किया जाना अनिवार्य था, जिसका पालन नहीं किया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए लोकसभा और राज्यसभा के सचिवालयों को नोटिस जारी किया है और सात जनवरी तक अपना जवाब दाखिल करने को कहा है। जस्टिस दीपांकर दत्ता की अध्यक्षता वाली बेंच ने नोटिस जारी करते हुए मौखिक रूप से टिप्पणी की, क्या कानून बनाने वालों को ये भी नहीं पता कि ऐसा नहीं किया जा सकता? यह टिप्पणी कमेटी के गठन की प्रक्रिया पर सवाल उठाती है। सुप्रीम कोर्ट अब लोकसभा और राज्यसभा सचिवालयों के जवाब के बाद अगली सुनवाई में यह तय करेगा कि जस्टिस वर्मा के खिलाफ शुरू की गई महाभियोग प्रक्रिया कानून के अनुरूप है या नहीं।

क्या है मामला?

बता दें, 14 मार्च, 2025 की शाम को जस्टिस वर्मा के घर में लगी आग के कारण दमकलकर्मियों द्वारा कथित तौर पर बेहिसाब नकदी बरामद की गई थी। हालांकि, घटना के वक्त जस्टिस वर्मा और उनकी पत्नी उस समय दिल्ली में नहीं थे और मध्य प्रदेश की यात्रा पर थे। आग लगने के समय घर पर केवल उनकी बेटी और वृद्ध माता ही मौजूद थे। बाद में एक वीडियो सामने आया जिसमें नकदी के बंडल आग में जलते हुए दिखाई दे रहे थे। इस घटना के बाद न्यायमूर्ति वर्मा पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे, जिन्हें उन्होंने नकारते हुए कहा कि यह उन्हें फंसाने की साजिश प्रतीत होती है। भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना (जो अब सेवानिवृत्त हो चुके हैं) ने आरोपों की आंतरिक जांच शुरू की और 22 मार्च को जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया।

चिदंबरम ने की विधेयकों में बढ़ती हिंदी शब्दों की प्रवृत्ति की कड़ी आलोचना

-अब अगली सुनवाई में सीबीआई दाखिल करेगी वेरिफिकेशन रिपोर्ट

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने विधेयकों के शीर्षकों में हिंदी शब्दों के इस्तेमाल की सरकार की ''बढ़ती प्रवृत्ति'' की कड़ी आलोचना की और कहा कि यह बदलाव गैर-हिंदी भाषी लोगों के लिए ''अपमानजनक'' है। उन्होंने कहा कि गैर-हिंदी भाषी लोग ऐसे विधेयक व अधिनियमों को नहीं पहचान सकते जिनके शीर्षक हिंदी शब्दों में अंग्रेजी अक्षरों में लिखे गए हों और वे उनका उच्चारण भी नहीं कर सकते। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने सोमवार देर रात कहा कि संसद में पेश किए जाने वाले विधेयकों के शीर्षक में सरकार द्वारा हिंदी शब्दों को अंग्रेजी अक्षरों में लिखने के बढ़ते चलन का मैं विरोध करता हूं। चिदंबरम ने कहा कि अब तक यह प्रथा थी कि विधेयक के अंग्रेजी संस्करण में शीर्षक अंग्रेजी शब्दों में और हिंदी संस्करण में हिंदी शब्दों में लिखा जाता था। उन्होंने कहा कि जब 75 साल से इस प्रथा में किसी को कोई दिक्कत नहीं हुई तो सरकार को बदलाव क्यों करना चाहिए? उन्होंने कहा कि यह बदलाव गैर-हिंदी भाषी लोगों और उन राज्यों का अपमान है जिनकी आधिकारिक हिंदी के अलावा कोई अन्य है। चिदंबरम ने कहा कि सरकारों ने लगातार दोहराया है कि अंग्रेजी एक सहयोगी आधिकारिक बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि मुझे डर है कि यह वादा टूटने की कगार पर है।

विकसित भारत-जी राम जी योजना का विरोध कर थरुर ने कहा... राम का नाम बदनाम ना करो

-लंबे समय बाद शशि थरुर ने कांग्रेस के सुर में मिलाया सुर

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में मंगलवार को मनरेगा का नाम बदलने सहित कई प्रावधानों में फेरबदल वाले विधेयक को पेश किया गया है। नए विधेयक में मनरेगा को अब विकसित भारत-जी राम जी योजना नाम देने की तैयारी हो रही है। इस विधेयक को लेकर संसद में दिलचस्प बहस देखने को मिली है। कांग्रेस की ओर से सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने तीखा विरोध किया। वहीं उनके बाद बोलने खड़े हुए शशि थरूर ने भी लंबे समय बाद कांग्रेस के सुर में सुर मिलाया। उन्होंने कहा कि मैं मनरेगा स्कीम से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम बदलने के खिलाफ हूं। कांग्रेस नेता थरूर ने कहा कि मैं जी राम जी विधेयक का विरोध करता हूं। मेरी पहली शिकायत यह है कि इसका नाम बदला जा रहा है, जो पहले महात्मा गांधी के ऊपर था। महात्मा गांधी का राम राज्य का विजन राजनीतिक आयोजन नहीं था बल्कि सामाजिक सुधार था। वह चाहते थे कि हर गांव सशक्त हो और राम राज्य जैसी स्थिति बने। मेरे बचपन में गाते देखा कि देखो ओ दिवानों ये काम ना करो, राम का नाम बदनाम ना करो।

थरूर ने कहा कि इसके अलावा 40 फीसदी बजट सीधे राज्य सरकार के हिस्से में डालना गलत है। इससे उन राज्यों के लिए संकट की स्थिति पैदा होगी, जिनके पास राजस्व का संग्रह कम है। इसतरह के राज्य जो पहले ही किसी तरह की मदद पर निर्भर हैं, आखिर वे कैसे इस स्कीम के लिए फंडिंग कर पाएंगे। कांग्रेस सांसद का पार्टी के स्टैंड से मिलता हुआ यह रुख लंबे समय बाद देखने को मिला है। वह कई बार पीएम नरेंद्र मोदी की तारीफ कर चुके हैं। इसके अलावा कांग्रेस की लगातार तीन मीटिंगों से गैरहाजिर रहे हैं।

महाराष्ट्र में बीजेपी के बड़े नेता फडणवीस हैं, वह जो कहेंगे वह फाइनल होगा: पवार

-पुणे और पिंपरी चिंचवड़ निकाय चुनाव में बीजेपी-एनसीपी में होगा फ्रेंडली मुकाबला

पुणे (एजेंसी)। पुणे और पिंपरी चिंचवड़ नगर निकाय चुनाव में बीजेपी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में मुताबला होने जा रहा है। सीएम देवेंद्र फडणवीस के ऐलान के बाद अब डिप्टी सीएम अजित पवार भी इसपर सहमति जता रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीएम ने जो कहा वो फाइनल है। महाराष्ट्र में मुंबई समेत 29 नगर निकायों के लिए मतदान 15 जनवरी को होगा और मतों की गिनती 16 जनवरी को होगी। राज्य निर्वाचन आयोग ने सोमवार को इसके शेड्यूल की जानकारी दी है। अजित पवार ने कहा कि अगर सीएम ने ऐसा कहा है, तो ध्यान से सोच समझकर कहा होगा। महाराष्ट्र में बीजेपी के सबसे बड़े नेता देवेंद्र फडणवीस हैं। वह जो भी कहेंगे, वो फाइनल होगा।

बता दें फडणवीस ने कहा था कि बीजेपी और शिवसेना आगामी नगर निकाय चुनावों में अधिकतर स्थानों पर एक साथ चुनाव लड़ेंगे और राकांपा समेत 'महायुति' के सहयोगी दलों के साथ अधिकतर स्थानों पर सीट बंटवारे को अंतिम रूप देने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि पुणे और पिंपरी-चिंचवड नगर निगमों में बीजेपी और अजित पवार के नेतृत्व वाली राकंपा के बीच फ्रेंडली मुकाबला होगा। फडणवीस ने कहा कि 'महायुति' के सहयोगी दलों के बीच गठबंधन होगा, लेकिन अधिकतर शहरों में समझौता बीजेपी और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के बीच होगा।

उन्होंने कहा कि पुणे में गठबंधन की संभावना नहीं है, जहां बीजेपी और अजित पवार नीत राकांपा प्रमुख दल हैं। राज्य चुनाव आयोग की तरफ से जारी कार्यक्रम के मुताबिक इन नगर निकायों में कुल 2,869 सीट के लिए मतदान होगा, जिनमें बीएमसी की 227 सीट भी शामिल हैं। बीएमसी 2025-26 में 74,000 करोड़ रुपए से अधिक के बजट के साथ एशिया का सबसे बड़ा नगर निकाय है।

वरिष्ठ आईएएस अधिकारी ने कहा कि महाराष्ट्र में फैले 29 नगर निकायों में 15 जनवरी को मतदान होगा और मतों की गिनती 16 जनवरी को होगी। उन्होंने कहा कि मतदान सुबह 7:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक होगा और जो लोग शाम 5:30 बजे तक कतार में खड़े होंगे, उन्हें एक पर्ची दी जाएगी और उन्हें तय समयसीमा के बाद भी मतदान करने की अनुमति दी जाएगी। उच्चतम न्यायालय ने सितंबर में एसईसी को 31 जनवरी तक नगर निकायों सहित स्थानीय निकाय चुनाव कराने का निर्देश दिया था।

दिल्ली में वायु प्रदूषण कंट्रोल के बाहर... होटलों, रेस्टोरेंट और खुली खाने की जगहों पर तंदूर पर बैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। तंदूर, दिल्ली में प्रदूषण से लड़ने की लड़ाई में नया निशाना बन गया है। दिल्ली प्रदूषण कंट्रोल कमेटी (डीपीसीसी) ने शहर के सभी होटलों, रेस्टोरेंट और खुली खाने की जगहों पर कोयले और लकड़ी का इस्तेमाल करने वाले तंदूर पर बैन लगाने के आदेश दिए हैं। रेस्टोरेंट और खाने की जगहों पर इस्तेमाल होने वाले तंदूर पर बैन पिछले हफ्ते लगाया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, यह आदेश एयर (प्रिवेंशन एंड कंट्रोल ऑफ़ पॉल्यूशन) एक्ट, 1981 की धारा 31(ए) के तहत जारी किया गया था। सभी रेस्टोरेंट और खाने की जगहों को तुरंत इलेक्ट्रिक, गैस-आधारित या दूसरे साफ ईंधन वाले उपकरणों पर स्विच करना होगा। दिल्ली-एनसीआर में हवा की क्वालिटी खराब होने के कारण, पिछले हफ्ते शनिवार को ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) का स्टेज 4 लागू किया गया था।

'परीक्षा पे चर्चा' के 9वें संस्करण के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू, अंतिम तिथि 11 जनवरी 2026

-कार्यक्रम में पीएम मोदी के साथ परीक्षा के स्ट्रेस, करियर के कई पहलुओं पर संवाद करते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी के सबसे लोकप्रिय कार्यक्रमों में शामिल 'परीक्षा पे चर्चा' के 9वें संस्करण के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो गए हैं। यह छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के लिए एक ऐसा मंच है, जहां वे सीधे पीएम के साथ परीक्षा के स्ट्रेस, करियर और जीवन के कई पहलुओं पर संवाद कर सकते हैं। यह कार्यक्रम हर साल छात्रों में परीक्षा के डर को कम करने और उन्हें 'एग्जाम वॉरियर्स' बनने के लिए प्रेरित करता है। इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए चयन की प्रक्रिया पारदर्शी और योग्यता आधारित होती है। इसमें ऑनलाइन प्रतियोगिता के जरिए चयन किया जाता है, जो मॉयजीओवी पोर्टल पर आयोजित की जाती है। परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में कक्षा 6वीं से 12वीं तक के छात्र, साथ ही शिक्षक और अभिभावक इस बहुविकल्पीय प्रश्न प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। यह प्रतियोगिता पीएम मोदी से डायरेक्ट बातचीत का मौका देती है। परीक्षा पे चर्चा में शामिल होने वाले सभी प्रतिभागियों को एनसीईआरटी की तरफ से एक खास प्रमाण पत्र भी मिलता है, जो उनके लिए बड़ी उपलब्धि है। 'परीक्षा पे चर्चा' 2026 के 9वें संस्करण के लिए पंजीकरण प्रक्रिया 1 दिसंबर, 2025 को शुरू हो चुकी है। इच्छुक छात्र, शिक्षक और अभिभावक मॉयजीओवी पोर्टल पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। पंजीकरण की अंतिम तिथि 11 जनवरी, 2026 है। अब तक करीब 18,78,098 उम्मीदवार इस कार्यक्रम के लिए रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। इनमें 17 लाख से ज्यादा छात्र शामिल हैं। पीपीसी 2026 में पीएम मोदी के साथ लाइव प्रोग्राम में शामिल होने वाले प्रतिभागियों का चयन किसी आवेदन या सिफारिश के आधार पर नहीं, बल्कि एक ऑनलाइन प्रतियोगिता के जरिए किया जाता है। चयनित प्रतिभागियों को कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी से सीधे उनके मन में चल रहे सवाल पूछने का अनमोल अवसर मिलता है। यह छात्रों को अपनी दुविधाएं दूर करने और पीएम से प्रेरणा लेने का एक सीधा माध्यम प्रदान करता है। इस प्रतियोगिता में शामिल होने वाले सभी प्रतिभागियों को कई फायदे मिलते हैं। पीपीसी प्रतियोगिता में शामिल होने वाले सभी छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को एनसीईआरटी से आधिकारिक प्रमाण पत्र मिलता है। शॉर्टलिस्ट किए गए छात्रों को पीएम मोदी के साथ लाइव 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में शामिल होने का मौका मिलता है। पिछले संस्करणों में कुछ विजेताओं को पीएम मोदी की लिखी गई 'एग्जाम वॉरियर्स' पुस्तक और एक विशेष 'किट' भी दी गई थी।

उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस पार्टी के वोट चोरी के आरोपों और अभियान से खुद को अलग किया

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस पार्टी के वोट चोरी के आरोपों और अभियान से इंडिया गठबंधन को अलग किया है। उन्होंने कहा कि इस वोट चोरी मुद्दे से इंडिया गठबंधन का कोई लेना-देना नहीं है। हर राजनीतिक दल अपना एजेंडा तय करने के लिए स्वतंत्र है। कांग्रेस ने वोट चोरी को अपना मुख्य मुद्दा बनाया है, लेकिन नेशनल कॉन्फ्रेंस (उनकी पार्टी) अपने मुद्दे खुद चुनेगी। वहां कांग्रेस के चुने मुद्दों पर राजनीति नहीं करेगी।

वहीं भाजपा नेता शशांक मणि ने प्रतिक्रिया देकर कहा कि उमर समझ रहे हैं कि विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) का उद्देश्य किसी को निशाना बनाना नहीं, बल्कि वास्तविक मतदाता सूची को अपडेट करना और चुनावी सुधार करना है। उन्होंने कहा कि इस तरह लोग इंडिया गठबंधन से अलग होते रहने वाले है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों इंडिया गठबंधन के कई और दल भी इस वोट चोरी के मुद्दे से अलग हो जाएगी। वहीं कांग्रेस ने दिल्ली के रामलीला मैदान में वोट चोर गद्दी छोड़ रैली का आयोजन कर अपने अभियान को तेज़ किया है। उन्होंने रैली में मुख्य चुनाव आयुक्त एवं अन्य चुनाव आयुक्त विधेयक, 2023 में बदलाव करने और कांग्रेस के सत्ता में आने पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त सुखबीर संधू और विवेक जोशी के खिलाफ कार्रवाई करने का संकल्प लिया। बात दें कि चुनावी अनियमितताओं के मुद्दे पर इंडिया गठबंधन के भीतर मतभेद सामने आए हैं, जहाँ उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस के आक्रामक रुख से दूरी बना ली है, जबकि भाजपा इसे चुनावी सुधार का मामला बता रही है।

भारत ने फिर कर दिया नोटम का ऐलान... के4 सबमरीन लांच बैलस्टिक मिसाइल का हो सकता है टेस्ट

-नोटम जारी होते ही पाकिस्तान की सांस गले में अटकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत रक्षा के क्षेत्र में लगातार एक के बाद एक धमाका कर रहा है, इन धमाकों से भारत के दुश्मन देश घबराए हुए हैं। अब भारत ने एक और तगड़ा ऐलान किया है। जिसके बाद दुश्मनों के गुट में चर्चा तेज हो गई है कि भारत किसी बड़ी तैयारी में है। पाकिस्तान के सारे टीवी चैनल्स पर इसी बात की बहस चल रही है कि कुछ घंटों बाद भारत क्या करने वाला है। पाकिस्तान ही नहीं बल्कि चीन और अमेरिका भी जानने के लिए बेचैन दिखाई दे रहे हैं कि आखिर भारत का प्लान क्या है। भारत ने नोटिस टू एयरमैन यानी कि नोटम जारी किया है। यह डेंजर ज़ोन एडवाइज़री डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम आइलैंड से बंगाल की खाड़ी के एक बड़े हिस्से को कवर करती है।

यह नो फ्लाई जोन करीब 2520 किमी तक फैला हुआ है। जो हवाई जहाजों और समुद्री यातायात के लिए अस्थायी प्रतिबंध लगाता है। यह नोटम 17 से 20 दिसंबर के बीच लागू रहेगा। कहा जा रहा है कि भारत एक बड़ी मिसाइल टेस्ट करने वाला है। पिछले परीक्षणों की तरह यह जोन पहले से ज्यादा बड़ा है जो मिसाइल की उन्नत रेंज और सटीकता का संकेत देता है। भारत ने इससे पहले 6 से 8 दिसंबर के बीच बंगाल की खाड़ी के ऊपर 14,000 कि.मी. के इलाके में नो फ्लाई जोन नोटिस जारी किया था। यह नोटम भी मिसाइल टेस्ट के लिए जारी किया गया था। हाल ही में नौसेना ने युद्धफोस से ब्रह्मोस मिसाइल का सफल परीक्षण किया था।

मिसाइल की बेजोड़ सटीकता, स्पीड और तबाही मचाने की ताकत देखने को मिली थी। यह मिसाइल दुश्मन के ठिकानों में तबाही मचाने के लिए काफी है। यह 300 से 800 किमी तक की दूरी पर बैठे दुश्मन को तबाह कर सकती है। इस सफल परीक्षण के बाद से ही भारत के दुश्मन खौफ में थे कि अब भारत ने एक और धमाका करने की तैयारी कर ली है। बताया जा रहा हैं कि के4 सबमरीन लॉन्च्ड बैलस्टिक मिसाइल का परीक्षण हो सकता है जो परमाणु सक्षम है और 3500 किमी तक वार कर सकती है। यह चीन नौसेना के खिलाफ एक मजबूत हथियार के रूप में है। यह मिसाइल ठोस ईंधन से चलती है। सबमरीन से लांच होने पर 20 से 30 मीटर गहराई से फायर की जा सकती है।

यह अग्नि मिसाइल सीरीज पर आधारित है। इसका वजन 17 टन, लंबाई 12 मीटर और यह एमआईआर भी तकनीक से लैस हो सकती है। यानी एक मिसाइल से कई लक्ष्य हिट कर सकती है। परमाणु हथियार ले जाने की ताकत इसके पास है। यह आईएएस, अरिहंत जैसी सबमरीन से लांच होती है। इस परीक्षण के बाद भारत अगले साल के5 मिसाइल का परीक्षण कर सकता है।

बीमा फंड से अब नहीं मिलेंगे बोनस और डिविडेंड?

- सरकार ने संसद में नया मसौदा पेश किया

नई दिल्ली । सरकार ने सोमवार को संसद में बीमा कानून संशोधन विधेयक, 2025 का नया मसौदा पेश किया। इस विधेयक का उद्देश्य जीवन बीमा और कुछ अन्य अधिसूचित बीमा कारोबार से जुड़े फंडों के उपयोग पर और अधिक सख्ती करना है। प्रस्तावित कानून में खासतौर पर बीमा फंड से लाभांश, बोनस या डिबेंचर के भुगतान पर रोक लगाने की व्यवस्था की गई है। विधेयक के अनुसार, जीवन बीमा या अन्य अधिसूचित बीमा कंपनियां बीमा फंड से किसी भी रूप में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष शेयरधारकों को लाभांश देने, पॉलिसीधारकों को बोनस देने या डिबेंचर का भुगतान करने के लिए धन का उपयोग नहीं कर सकेंगी। इससे पॉलिसीधारकों के हितों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है। यदि बीमांकिक मूल्यांकन के बाद अधिशेष निकलता है, तो उसका उपयोग किया जा सकेगा। हालांकि, ऐसे अधिशेष को भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण द्वारा तय किए गए तरीके से बैलेंस शीट में दिखाना अनिवार्य होगा और कानूनी रिटर्न के साथ जमा करना होगा। विधेयक में यह भी प्रावधान किया गया है कि डिबेंचर के लिए अधिशेष से किया जाने वाला कुल भुगतान, ब्याज समेत, घोषित

अधिशेष के 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा। वहीं, डिबेंचर पर दिया जाने वाला ब्याज अधिशेष के 10 प्रतिशत से ज्यादा नहीं हो सकेगा, जब तक कि मूल्यांकन के समय इसे बीमा फंड में समायोजित न किया गया हो। यह प्रस्तावित विधेयक बीमा अधिनियम, 1938, भारतीय जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 और आईआरडीएआई अधिनियम, 1999 में संशोधन का भी प्रस्ताव करता है। सरकार का मानना है कि इन बदलावों से बीमा क्षेत्र में पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन और नियामकीय निगरानी को और मजबूत किया जा सकेगा।

टोयोटा हाइलक्स ने सेफ्टी के मोर्चे पर भी श्रेष्ठता की साबित

नईदिल्ली ।

दुनियाभर में मजबूती, भरोसेमंद परफॉर्मेंस और टिकाऊपन के लिए टोयोटा हाइलक्स जानी जाती है। टोयोटा हाइलक्स पॉपुलर पिकअप ट्रक ने सेफ्टी के मोर्चे पर भी अपनी श्रेष्ठता साबित कर दी है। 2025 टोयोटा हाइलक्स को ऑस्ट्रेलियाई न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम (एएनसीएपी) के क्रैश टेस्ट में पूरे 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग मिली है। यह रेटिंग बताती है कि हाइलक्स न सिर्फ ड्राइवर और यात्रियों के लिए सुरक्षित है, बल्कि पैदल यात्रियों और बच्चों की सुरक्षा में भी बेहतर प्रदर्शन करती है। एडल्ट ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन कैटेगरी में हाइलक्स ने 40 में से 33.96 अंक हासिल किए, जो करीब 84 प्रतिशत स्कोर है। फ्रंटल ऑफसेट, साइड इंपैक्ट, पोल टेस्ट, फुल-विथ फ्रंटल और व्हिपलैश प्रोटेक्शन जैसे तमाम टेस्ट में इसकी बॉडी स्ट्रक्चर मजबूत साबित हुई। एयरबैग और सीटबेल्ट सिस्टम ने दुर्घटना की स्थिति में यात्रियों को बेहतर सुरक्षा प्रदान की। बच्चों की सुरक्षा के मामले में भी टोयोटा हाइलक्स ने शानदार प्रदर्शन किया।

चाइल्ड ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन में इसे 49 में से 44 अंक मिले, यानी 89 प्रतिशत स्कोर। इसोफिक्स माउंट्स और चाइल्ड सीट सेफ्टी फीचर्स को इसमें खास तवज्जो दी गई है। इसके अलावा पैदल यात्रियों और साइकिल सवारों की सुरक्षा से जुड़ी कैटेगरी में भी हाइलक्स को 82 प्रतिशत स्कोर मिला। सेफ्टी असिस्ट फीचर्स जैसे ऑटोमैटिक इमरजेंसी ब्रेकिंग, लेन असिस्ट, स्पीड असिस्ट और ड्राइवर मॉनिटरिंग सिस्टम की भी जांच की गई, जहां हाइलक्स ने भरोसेमंद प्रदर्शन किया।

100 ग्राहकों में से 70 चुन रहे हैं सिर्फ सी3 को

नईदिल्ली ।

भारतीय बाजार में सिट्रोन भले ही 5 मॉडल बेच रही हो, लेकिन हर 100 ग्राहकों में से करीब 70 लोग सिर्फ सी3 को ही चुन रहे हैं। सिट्रोन इंडिया की नवंबर 2025 की बिक्री रिपोर्ट सामने आ गई है, जिसमें साफ दिखता है कि कंपनी के लिए सिट्रोन सी3 सबसे बड़ा सहारा बनी हुई है।

इसकी शुरुआती कीमत 4.80 लाख रुपये है, जो इसे बजट सेगमेंट में एक मजबूत विकल्प बनाती है। हालांकि, कुल बिक्री के लिहाज से कंपनी को नवंबर में हल्की गिरावट का सामना करना पड़ा। अक्टूबर 2025 में जहां सिट्रोन ने 1,426 यूनिट्स की बिक्री की थी, वहीं नवंबर में यह आंकड़ा घटकर 1,224 यूनिट रह गया। नवंबर में सी3 की 861 यूनिट बिकीं, जबकि अक्टूबर में इसकी 897 यूनिट बिकी थीं। अन्य मॉडलों की बात करें तो बेसाल्ट कूपे की नवंबर में 139 यूनिट, सी3 एयरक्रॉस की 208 यूनिट और इलेक्ट्रिक मॉडल ईसी3 की सिर्फ 16 यूनिट बिकीं।

वहीं प्रीमियम एसयूवी सी5 एयरक्रॉस एक बार फिर शून्य बिक्री पर सिमट गई। इसमें एलईडी हेडलाइट्स, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल जैसे फीचर्स भी मौजूद हैं। कम कीमत और बेहतर फीचर्स की वजह से सी 3 भारतीय ग्राहकों की पसंद बनी हुई है।

सिट्रोन सी 3 के फीचर्स और इंजन ऑप्शंस इसे लोकप्रिय बनाते हैं। इसमें 1.2-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड और टर्बो पेट्रोल इंजन मिलते हैं। सेफ्टी के लिए अब इसमें स्टैंडर्ड 6 एयरबैग दिए गए हैं।

राइट टू डिसकनेक्ट बिल, 2025: काम-जीवन संतुलन पर नई बहस

- लोक सभा में निजी विधेयक पेश, तय समय से अधिक काम कराने पर जुर्माने का प्रस्ताव

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोक सभा में सांसद सुप्रिया सुले द्वारा 'राइट टू डिसकनेक्ट बिल, 2025' पेश किए जाने के साथ काम और निजी जीवन के संतुलन को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है। यह निजी विधेयक निजी कंपनियों पर लागू होगा और उन नियोक्ताओं पर जुर्माना लगाने का प्रावधान करता है, जो कर्मचारियों से तयशुदा कार्य घंटों से अधिक काम करने का दबाव डालते हैं। निजी विधेयक होने के कारण इसके पारित होने की संभावना भले ही कम हो, लेकिन इसने लंबे काम के घंटे और कर्मचारियों के शोषण जैसे मुद्दों को केंद्र में ला दिया है। यह विधेयक ऐसे समय में आया है, जब देश में नए श्रम कानून लागू किए गए हैं। इन कानूनों के तहत गिग वर्कर्स, एमएसएमई कर्मचारियों और न्यूनतम वेतन पाने वाले कामगारों सहित सभी श्रेणियों के लिए सप्ताह में 48 घंटे काम करने का प्रावधान है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के अनुसार, 2024 में भारत दुनिया की सबसे अधिक काम करने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल रहा, जहां औसतन 45.7 घंटे प्रति सप्ताह काम किया गया। इंडीड-सेंससवाइड के एक सर्वे में 79 प्रतिशत लोगों ने 'राइट टू डिसकनेक्ट' नीति

को सकारात्मक बताया, लेकिन 88 प्रतिशत ने स्वीकार किया कि उनसे तय समय के बाद भी काम कराया जाता है। इस बढ़ते दबाव के कारण पेशेवरों में नौकरी छोड़ने की प्रवृत्ति बढ़ रही है।

गूगल ने भारत में एआई परियोजनाओं के लिए 80 लाख डॉलर का निवेश किया

गूगल स्वास्थ्य मॉडल के विकास में सहयोग के लिए 4,00,000 अमेरिकी डॉलर भी देगा

नई दिल्ली । अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल ने मंगलवार को भारत में स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा और टिकाऊ शहरों के लिए एआई उत्कृष्टता केंद्रों को 80 लाख अमेरिकी डॉलर की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की। कंपनी ने यह भी कहा कि भारत में स्वास्थ्य मॉडल के विकास में सहयोग के लिए वह 4,00,000 अमेरिकी डॉलर देगा। गूगल ने भारतीय भाषाओं के समाधान विकसित करने वाले स्टार्टअप्स ज्ञानीडॉटएआई, कोरोवरडॉटएआई और भारतजेन को 50,000 अमेरिकी डॉलर का अनुदान प्रदान किया। इसका उद्देश्य भारत की भाषाई विविधता के लिए एआई मॉडल तैयार करना है। स्वास्थ्य और कृषि क्षेत्र में बहुभाषी एआई-संचालित अनुप्रयोगों को बढ़ावा देने के लिए वधवानी एआई को 45 लाख अमेरिकी डॉलर की धनराशि दी जाएगी। गूगल का कहना है कि यह कदम भारत में एआई के समावेशी विकास को मजबूत करेगा। गूगल ने 'मेडगेम्मा' आधारित स्वास्थ्य मॉडल के विकास के लिए 4,00,000 अमेरिकी डॉलर देने की प्रतिबद्धता जताई। इसके साथ ही अजना लेंस भारतीय त्वचा विज्ञान और ओपीडी

ट्रायजिंग में भारत-विशिष्ट मॉडल तैयार करेगी, जिसमें एआईआईएमएस के विशेषज्ञ सहयोग करेंगे। आईआईएससी के शोधकर्ता और चिकित्सक भी नैदानिक अनुप्रयोगों के लिए एआई मॉडल की संभावनाओं का अध्ययन करेंगे। गूगल ने आईआईटी मुंबई में नया भारतीय भाषा प्रौद्योगिकी अनुसंधान केंद्र स्थापित करने के लिए 20 लाख अमेरिकी डॉलर का प्रारंभिक योगदान देने की घोषणा की। इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वैश्विक एआई प्रगति भारत की भाषाई विविधता के अनुकूल हो।

क्रिप्टो बाजार में भारी गिरावट, बिटकॉइन 85,700 डॉलर पर

- पिछले 24 घंटे में 4 फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई

मुंबई । क्रिप्टोकरेंसी बाजार में मंगलवार को जबरदस्त बिकवाली देखने को मिली। बिटकॉइन समेत अधिकांश प्रमुख डिजिटल करेंसी में पिछले 24 घंटे में 4 फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। इसके चलते ग्लोबल क्रिप्टो मार्केट कैप 3 ट्रिलियन डॉलर के स्तर से गिरकर 2.93 ट्रिलियन डॉलर रह गया। सिर्फ सोमवार से मंगलवार तक ही कुल मार्केट कैप में लगभग 11 लाख करोड़ रुपए की कमी आई। बिटकॉइन की कीमत भी 85,700 डॉलर पर आ गई, जो पिछले एक हफ्ते में 5 फीसदी से अधिक टूट चुकी है। अक्टूबर में यह 1.25 लाख डॉलर के आसपास थी। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दर नीतियां, बढ़ते लिक्विडेशन, मुनाफावसूली और अमेरिकी टैरिफ नीतियों को लेकर अनिश्चितता इस गिरावट के मुख्य कारण हैं। यह पिछले दो हफ्तों में क्रिप्टो बाजार की सबसे बड़ी गिरावट मानी जा रही है।

टाटा पावर वेफर और इन्गोट परियोजना के लिए 6,500 करोड़ निवेश करेगी

- परियोजना के लिए संभावित स्थल की खोज जारी

भुवनेश्वर । टाटा पावर के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि कंपनी 10 गीगावाट क्षमता वाला वेफर और इन्गोट संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है। इस परियोजना में लगभग 6,500 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। यह कदम टाटा पावर को सौर ऊर्जा विनिर्माण क्षेत्र में एक पूर्ण रूप से एकीकृत कंपनी बनाने की दिशा में है, क्योंकि कंपनी पहले से ही मॉड्यूल और सेल का निर्माण करती है। अधिकारी ने कहा कि कंपनी जनवरी 2026 तक परियोजना को अंतिम रूप देने का प्रयास कर रही है। वित्त वर्ष 2025-26 की अंतिम तिमाही में परियोजना की स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। परियोजना के लिए संभावित स्थल की खोज जारी है और स्थान चयन से पहले राज्य की नीतियों और प्रोत्साहनों पर विचार किया जाएगा। टाटा पावर वर्तमान में ओडिशा, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर नजर डाल रही है। चयनित स्थल पर कंपनी जल और इन्गोट संयंत्र स्थापित करने के साथ-साथ राज्य सरकारों द्वारा मिलने वाले प्रोत्साहनों को भी ध्यान में रखेगी। कंपनी की कुल ऊर्जा क्षमता 15.9 गीगावाट है, जिसमें थर्मल, सौर और पवन ऊर्जा शामिल हैं। इसके अलावा, टाटा पावर परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में विस्तार की भी योजना बना रही है। निजी कंपनियों के लिए कानूनी संशोधनों के बाद कंपनी 20-50 मेगावाट क्षमता वाले छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) परियोजनाओं की संभावनाओं का पता लगाएगी। इस नई परियोजना के साथ, टाटा पावर सौर ऊर्जा उत्पादन में और अधिक आत्मनिर्भर बनकर ऊर्जा क्षेत्र में अपनी भूमिका मजबूत करेगी।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 13 पैसे की गिरावट के साथ ही 90.91 पर बंद हुआ। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में सफलता न मिलने और विदेशी निवेशकों की निरंतर बिकवाली के चलते रुपया मंगलवार को 90.87 प्रति अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 90.77-90.87 के दायरे में कारोबार करता रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर के कमजोर होने तथा वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने हालांकि घरेलू मुद्रा में और गिरावट को रोका। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.78 के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी की गिरावट के साथ 98.27 पर रहा।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 533, निफ्टी 167 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही रियल्टी और बैंकिंग स्टॉक्स में हुई बिकवाली से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 533.50 अंक टूटकर 84,679.86 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 167.20 अंक फिसलकर 25,860.10 पर रहा था। आज आईटी और बैंकिंग शेयरों के कारण बाजार पर दबाव आया। निफ्टी आईटी इंडेक्स 0.84 फीसदी और निफ्टी प्राइवेट बैंक इंडेक्स 1.23 फीसदी नीचे आया। इसके अलावा, ऑटो, पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल, एनर्जी, इन्फ्रा और पीएसई इंडेक्स में दबाव रहा। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी मीडिया इंडेक्स बढ़त पर बंद हुए।

सेंसेक्स के शेयरों में टाइटन, भारती एयरटेल, एमएंडएम, एशियन पेंट्स, ट्रेंट, कोटक महिंद्रा बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर लाभ में रहे थे जबकि एक्सिस बैंक, एचसीएल टेक, बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, एनटीपीसी, टीसीएस, सन फार्मा, एलएंडटी, पावर ग्रिड, एचयूएल, बीईएल, एसबीआई, मारुति सुजुकी के शेयर नुकसान में रहे।

बीएसई पर 1,654 शेयर आज लाभ के साथ ही ऊपर आये जबकि 2,523 शेयर लाल गिरावट पर रहे।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। सेंसेक्स गिरावट के साथ

85,025 अंक पर खुला। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 356.17 अंक की गिरावट के साथ 84,857.19 अंक पर कारोबार कर रहा निफ्टी-50 भी बड़ी गिरावट के साथ 25,951 अंक पर खुला। शुरुआती कारोबार में ही इसमें कमजोरी देखी गई जिसके बाद निफ्टी 105.35 अंक की गिरावट के साथ 25,919 अंक पर कारोबार करता नजर आया।

एशियाई शेयर बाजार में आज गिरावट रही। एशिया के शेयर बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। इसकी वजह वॉल स्ट्रीट में आई गिरावट रही। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 1.27 फीसदी गिरा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी लगातार दूसरे सेशन में नुकसान में रहा और 0.75 फीसदी नीचे आया। वहीं, ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 लगभग सपाट रहा।

अमेरिका में बाजार गिरावट के साथ बंद-

अमेरिका में वॉल स्ट्रीट के प्रमुख इंडेक्स सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 शुरुआती बढ़त गंवाकर 0.16 फीसदी गिरा। डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज में 0.09 फीसदी की हल्की गिरावट आई, जबकि टेक शेयरों वाला नैस्डैक कंपोजिट 0.59 फीसदी नीचे बंद हुआ।

अर्चना व्यास बनीं बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन की भारत कंट्री डायरेक्टर

नई दिल्ली । बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन ने अर्चना व्यास को भारत में अपना नया कंट्री डायरेक्टर नियुक्त किया है। वे हरि मेनन का स्थान लेंगी, जो जनवरी 2026 में वैश्विक नेतृत्व की भूमिका संभालेंगे। अर्चना व्यास फाउंडेशन के स्वास्थ्य, स्वच्छता, लैंगिक समानता और कृषि विकास पहलों की देखरेख करेंगी। उनका कार्यभार भारतीय सरकारी एजेंसियों, परोपकारी संस्थाओं और निजी क्षेत्र के साझेदारों के साथ सहयोग को मजबूत करना होगा। व्यास 2014 से फाउंडेशन से जुड़ी हुई हैं और इसके स्वास्थ्य एवं गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों में सक्रिय रही हैं। उन्होंने कहा कि वे भारत सरकार के 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य को साकार करने के लिए सभी साझेदारों के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं। इस नियुक्ति से फाउंडेशन और भारत के बीच सहयोग और मजबूती पाने की उम्मीद है।

भारत का ऊर्जा क्षेत्र 11 वर्षों में अद्वितीय प्रगति की ओर: पीयूष गोयल

- भारत ने बिजली की कमी से बिजली सुरक्षा और स्थिरता की ओर बड़ी छलांग लगाई है

नई दिल्ली ।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत ने पिछले 11 वर्षों में बिजली उत्पादन, ग्रिड एकीकरण और नवीकरणीय ऊर्जा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। 2013 में जहां बिजली की कमी 4.2 फीसदी थी, वहीं अब 2025 तक केवल 0.1 फीसदी रह गई है। देश ने 250 गीगावाट की रिकॉर्ड बिजली मांग को सफलतापूर्वक पूरा किया। गोयल ने बताया कि सौर ऊर्जा क्षमता पिछले 11 सालों में 46 गुना बढ़ी, जिससे भारत दुनिया में तीसरे स्थान पर आ गया है। पवन ऊर्जा क्षमता भी 2014 के 21 गीगावाट से बढ़कर 2025 में 53 गीगावाट हो गई। वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत ने 1,048 मिलियन टन कोयला उत्पादन किया, जबकि कोयला आयात लगभग 8 फीसदी घटा। भारत अब दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रिफाइनिंग हब बन चुका है और रिफाइनिंग क्षमता में 20 फीसदी तक वृद्धि की योजना है। देश में 34,238 किलोमीटर प्राकृतिक गैस पाइपलाइन स्वीकृत की गई, जिसमें से 25,923 किलोमीटर कार्यरत हैं। गोयल ने बताया कि भारत के ऊर्जा क्षेत्र की सफलता 5 प्रमुख स्तंभों पर आधारित है। पहला स्तंभ, सभी तक बिजली पहुंच है।

भारत ने सौभाग्य योजना के तहत हर घर में बिजली पहुंचाई है। इसके साथ ही, उजाला योजना के तहत 47.4 करोड़ एलईडी बल्ब वितरित किए गए हैं, जिससे बिजली के बिलों में कमी आई और कार्बन उत्सर्जन भी कम हुआ है। दूसरा स्तंभ सस्ती बिजली है। भारत सरकार ने सौर, पवन और अन्य साफ ऊर्जा उपकरणों पर जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किया है। इसके अलावा, इंथेनॉल मिश्रण लक्ष्य को 2030 से पहले ही 20 प्रतिशत तक पूरा कर लिया गया। तीसरा स्तंभ बिजली की उपलब्धता है। भारत ने 2013 में जहां 4.2 प्रतिशत बिजली की कमी अनुभव की थी, वही अब यह कमी 2025 तक 0.1 प्रतिशत रह गई है।

लिशस ने पहली बार मासिक राजस्व 100 करोड़ पार किया

नई दिल्ली ।

ओमनीचैनल मीट और सीफूड रिटेलर लिशस ने नवंबर 2025 में 104 करोड़ रुपये का शुद्ध मासिक राजस्व दर्ज किया। यह कंपनी का पहला तीन-हंदरे अंक वाला मासिक प्रदर्शन है। अक्टूबर में 94 करोड़ रुपये के मुकाबले यह वृद्धि महामारी के बाद मांग में तेजी का संकेत देती है। डिलाइटफुल गॉरमेट प्राइवेट लिमिटेड के लिए वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही में कुल 530 करोड़ रुपये का राजस्व रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 42 प्रतिशत अधिक है। नवंबर में ऑनलाइन चैनलों से 88 करोड़ रुपये और ऑफलाइन स्टोर्स से 16 करोड़ रुपये का योगदान आया। कंपनी के पास तीन प्रमुख महानगरों में 55 से ज्यादा फिजिकल स्टोर हैं, जो अब केवल ब्रांड एक्सपोज़र का टचपॉइंट नहीं बल्कि राजस्व में महत्वपूर्ण योगदान देने लगे हैं। लिशस लगभग 15 लाख उपयोगकर्ताओं को सेवा प्रदान करता है। विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ती मांग और परिपक्व ओमनीचैनल रणनीति के चलते आगामी महीनों में कंपनी का प्रदर्शन और बेहतर होगा।

CHANGE OF NAME

OLDNAME:-PATELYATINDRAKUMAR PARAGBHAI
NEWNAME:-YATINDRAPARAGBHAI PATEL
ADDRESS. HOUSE NO. 58/1 SCHOOL FALIA MOTI VANKAD NANI DAMAN UT.- 396210

CHANGE OF NAME

OLD NAME:- NEELIMA VISHWAS POL/ NILIMA VISHWAS POL/ NILIMA AMAR MULLA
NEW NAME:- NEELIMA AMAR MULLA
ADDRESS: FLAT NO.201, ROHAN APARTMENT, VRUNDAVAN SOCIETY NEAR SAI RESIDENCY,SILVASSA, DNH-396230.

राजनीती में व्यक्तिगत आरोपों से बचें मयार्दा से काम करें

संजय गोस्वामी

स्वामी विवेकानंद ने राज योग (1896) में कहा थाः राम हमें दिखाते हैं कि धर्म नियमों का सख्ती से पालन करना नहीं है, बल्कि इंसानी कामों के तालमेल का जीता-जागता उदाहरण है इसलिए भगवान पर भरोसा रखें वाद विवाद से बचें व्यक्तित आरोपों से बचना चाहिए। मयार्दा में रह कर ही देश की गरिमा बचेगी और आप कों कौन क्या कहता है इसपर ध्यान देने की जरुरत नहीं है आरोप का जबाब काम से दें ईश्वर हमेशा सही वक़्त पर सही न्याय देता है बस सब्र बनाये रखें विश्वास रखें और जब मन शांत होगा तभी अच्छा विचार आएगा।

आज सत्ता पक्ष और विपक्षी नेता के बीच गजब का न्यूज चल रहा किसी के ऊपर व्यक्तिगत आरोप नहीं लगाना चाहिए राम लीला मैदान में जो घटना क्रम हुआ उससे विदेशों में भारत की छवि खराब हो रही है एक दूसरे पर वीडियो वाइरल होना ठीक नहीं है आप सभी संयम से काम ले और भगवान राम पर विश्वास रखें हमें लगता है कि इसमें अब कुछ उद्योग पति भी मिल गए है क्योंकि इतना बड़ा आयोजन हेतु फंड कौन कर रहा है प्रधानमंत्री पर निजी टिपण्णी करना लोकतंत्र के खिलाफ है जब चुनाव होगा तो काम के दम पर ही जीत मिलेगी इसलिए मेहनत स्टेज पर और भाषण से नहीं यदि विपक्ष में है तो जनता और देश के सम्मान में काम करना होगा जब स्व अटलजी जैसे मेहनत कर देश का नाम ऊँचा करने वाले पर भी उनके व्यक्तिगत आरोप उनके निधन पर देखता हूँ तो कहाँ कहाँ से घटिया न्यूज बनाते है समझ में नहीं आता जिसने 1998 में देश में पोखरण परमाणु परीक्षण और 1999 में कारगिल युद्ध में देश का मस्तिष्क ऊँचा किया था आज हमें देश के विकास के लिए वैज्ञानिकों पर भरोसा करना होगा जो आज बड़ी तेजी से पलायन कर रहे है वैज्ञानिक संसाधनों का विकास ही देश कों टेक्नोलॉजी के क्षेत्र मं आगे ले जा सकता है चाहे अंतरिक्ष के क्षेत्र में हो या कृषि या रक्षा के क्षेत्र में या परमाणु के क्षेत्र में सभी में वैज्ञानिकों पर विश्वास करना आवश्यक है हो सकता है तुरंत परिणाम ना निकलें क्योंकि शोध में कई साल लगते है और इसलिए संयम और शांति की आवश्यकता है सत्ता आती है जाती है लेकिन देश में वैज्ञानिक कार्यों में विकास की आवश्यकता है जिससे देश में अपना सामान खुद बना सकते है और युवाओ के लिए एक अच्छा प्लेटफार्म होगा टेक्नोलॉजी के मामलों में टैलेंटेड होने के बाद भी उसका सही इस्तेमाल नहीं हो रहा है जिसमे सभी पार्टियों कों साथ में मिलकर काम करना चाहिए अगर टेक्नोलॉजी होगी तभी देश आत्मनिर्भर होगा और भारत में संसाधनों की कमी नहीं है और जनसंख्या के हिसाब से देश चीन के बाद ऐशिया में दूसरे नम्बर पर है आखिर चीन से हमें क्यों आयात करना होता है जब हम खुद ही उसे बनाने में सक्षम है नई सरकार जब 2014 में बीजेपी की आई तो उस समय सरकारी तंत्र तो विपक्षी दल के पास ही था आखिर क्या कारण था कि देश में जनाधार नहीं मिला और अब तक सत्ता में नहीं आ रहे है काम पर फोकस ज्यादा जरुरी है 2014 में जब नई सरकार आई तो विश्व योगदिवस चालू हुआ लेकिन योग का सही अर्थ समझना जरुरी है जिसके लिए भगवान राम के बारे में ध्यान करना जरुरी है जो किसी धर्म और जाति से नहीं जुड़े है बल्कि मानवता की रक्षा के लिए मयार्दा का पालन करना सिखाते हैं अतः आज सभी मयार्दा की सारी सीमा लांघ गए है जो देशहित में नहीं है इसपर शांति से काम लेना होगा भगवान राम ने ना तो रावण के व्यक्तिगत जीवन पर कोई टिपण्णी की और ना ही उनके सबसे बड़े वैज्ञानिक हनुमान के विश्वास कों तोड़ा और यही उनके जीत की सबसे बड़ा कारण थी रावण प्राकृतिक के नियम कों नहीं मानता था और मनुष्य कों मनुष्य ना समझ कर जानवर समझता था इसलिए मनुष्य के रुप में भगवान राम और बानर सेना जो जानवर

की श्रेणी में आते हैं ने एक जुट होकर रावण कों हराया और उसका घमंड चूर किया जबकी रावण मनुष्य से अलग शंकर भगवान की कृपा से मायाबी शक्ति हासिल किया फिर भी भगवान राम ने साधारण मनुष्य के रूप में वध कर ही दिया कौन क्या किया और क्या कर रहा है उसकी नजरें सब पर टिकी हैं और अन्त समय कहाँ बचने वाले हैं अतः शांति से काम लें धरना प्रदर्शन से देश का माहौल खराब होता है सत्ता आती है जो जाएगी भी लेकिन आपका व्यक्तिगत सम्बन्ध ही काम आएगा अतः शांति से काम लेने की जरुरत है समय के साथ कर्म करते चले वोट चोरी कैसे हुई इसपर न्यायलय है वहाँ ही न्याय मिल सकता है देश एक कठिन दौर से गुजर रहा है हंगामा कहीं से भी हो उसका नुकसान ही होगा अतः शांति से काम लें धैर्य रखें जनता पर विश्वास कर उनके कार्य कों करेंगे तो जनाधार मिलेगा वोट चोरी होती तो बीजेपी पश्चिम बंगाल और साउथ में भी जीतती लेकिन ऐसा नहीं हुआ नमस्कार,मेरे रोम रोम में बसने वाले राम का गाना सुना भगवान राम पर एक गाना हो जो सबको सही संदेश दे उस वक़्त मनोज कुमार ने नीलकमल फिल्म में गाना अपनी पसंद का लिखाया था गाना के गीतकार साहिर लुधियानवी ने लिखा आशा भोसले ने गया लता जी संप्रदायक के कारण नहीं गई और वाहिदा रहमान को इसी गाने फिल्म नीलकमल में बेस्ट एक्टिव का खिताब भी मिला अब यहाँ धर्म कहाँ आ रहा है धर्म में नफरत राजनीती पक्ष ने ही पैदा की है जिसे मिटाने की आवश्यकता है योग से ध्यान का मतलब होता है जोड़ जो आत्मा को परमात्मा से मिलने को होता है जो ध्यान से होता है और ध्यान के लिए अपने को भगवान श्री राम ही सत्य है वो योग रामदेव बाबा वाला एक भ्रमजाल है क्योंकि शरीर को ध्यान से ठीक करें हर दिन भगवान राम का ध्यान करते रहें और बार बार करने से ध्यान में जो हमारे विकास हैं वो दूर होते हैं ऐ बात सत्य है कि आपका अपना कोई इस संसार में नहीं है सभी ध्यान भटकाने के लिए हैं कुछ साल बाद भगवान श्री राम की ताकत का अहसास होगा और चन्दन की खुसबू मिलेगी जो हमेशा आपके रक्षा के लिए खड़ा होगा डर खत्म कर देगा या तो इस स्थूल शरीर के लिए या सूक्ष्म शरीर के लिए इसलिए जन्मजन्मातर तक हमेशा प्रकाशित करेगा यही प्रभु राम की ताकत है भगवान राम किसी धर्म से जोड़ कर आपस में वैर करना ठीक नहीं है राम के गुणों को लीडरशिप, साइकोलॉजी और नैतिक विकास में उनके कार्य के अनुसार जो आज की चुनौतियों है उससे शांति से निपटने के लिए भगवान राम गुणों की हमेशा याद करने की जरूरत है। जैसा कि ओलिवेल (2017) ने रिलिजन इन द रामायणः कॉन्टेक्स्चुअल एप्लीकेशंस एंड सिग्निफिकेंस फॉर टुडे में लिखा है, राम का किरदार सिर्फ.एक ऐतिहासिक या पौराणिक किरदार नहीं है, बल्कि इंटीग्रेटेड एक्सीलेंस का एक बड़ा उदाहरण है जो इंसानी क्षमता और सोशल इंटरेक्शन को जानकारी देता रहता है। राम के गुणों को समझने के मुख्य सोर्स में वाल्मीकि रामायण, अध्यात्म रामायण, तुलसीदास की रामचरितमानस और कई पौराणिक रेफरेंस शामिल हैं। इनमें से हर किताब राम को अलग-अलग नजरिए से दिखाती हैः ऐतिहासिक, फिलॉसॉफिकल, भक्ति और आध्यात्मिक, जिससे एक अलग-अलग तरह की तस्वीर बनती है जिसे ध्यान से जोड़ना चाहिए। जैसा कि डॉ। रॉबर्ट गोल्डमैन द रामायण ऑफ वाल्मीकिः एन एपिक ट्रांसलेशन (1984) में बताते हैं, रामायण के अलग-अलग वर्शन के बीच दिखने वाली कमियां तब गायब हो जाती हैं जब हम उन्हें एक ही बुनियादी सच पर विरोधाभासी नजरिए के बजाय एक-दूसरे को पूरा करने वाले नजरिए के तौर पर समझते हैं। पोलक (2021) की हालिया छात्रवृत्ति, वाल्मीकि की रामायणः प्राचीन भारत का एक महाकाव्य, पाठ के ऐतिहासिक संदर्भ को समझने के महत्व पर जोर देती हैः रामायण एक ऐतिहासिक कथा (इहसास), एक नैतिक मार्गदर्शिका (धर्मशास्त्र), और एक आध्यात्मिक पाठ (मोक्षशास्त्र) के रूप में एक साथ कार्य करती है, जिसके लिए बहुआयामी व्याख्या दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। विश्लेषणात्मक समझ पर कई दृष्टिकोण राम के गुणों का गहन विश्लेषण करने के लिए, हम कई सैद्धांतिक ढांचे का उपयोग करते हैंः 1. हेमेर्नेयुटिक विश्लेषणः आवश्यक गुणों की पहचान करने के लिए प्राथमिक ग्रंथों में राम के गुणों की की बारीकी से व्याख्या करना 2. तुलनात्मक विश्लेषणः राम के गुणों की वर्तमान सैद्धांतिक रूपरेखाओं से व्यवस्थित रूप से तुलना करना 3. क्रॉस-सांस्कृतिक विश्लेषणः अन्य ज्ञान परंपराओं में समानताओं की जांच करना 4 यह तरीका ब्रायमन (2018) के कहे थ्योरेटिकल ट्रायंगुलेशन से मेल खाता हैः एक ही चीज को कई थ्योरेटिकल नजरिए से देखना ताकि उसे पूरी तरह समझा जा सके। 1. पर्सनल सचः राम के विचारों, शब्दों और कामों में एक जैसापन 2. सोशल सचः सभी रिश्तों और लेन-देन में ईमानदारी 3. कॉस्मिक सचः धार्मिक सिद्धांतों और यूनिवर्सल ऑर्डर के साथ तालमेल 4. ट्रांसेंडेंट सचः परम सत्य (ब्रह्म) से जुड़ाव डॉ. एस. राधाकृष्णन ने इंडियन फिलॉसफी वॉल्यूमक (1923) में कहा थाः राम का सच बोलना (सत्य व्रत) सिर्फ.झूठ से दूर रहना नहीं है, बल्कि सच को उसके पूरे मतलब में अपनाना है–जो अस्तित्व के सभी लेवल पर सच से मेल खाता है। कॉग्निटिव कंसिस्टेंसी की साइकोलॉजिकल थ्योरी (फेस्टिंगर, 1957) राम के किरदार में पूरी तरह से दिखाई देती है, जहाँ विश्वास, भावना और काम के बीच कोई तालमेल नहीं है। सियालडिनी (2016) का प्री-सुएशन पर हालिया काम बताता है कि यह कंसिस्टेंसी एक ट्रस्टवर्दीनेस फील्ड बनाती है जो असल में बदल देती है कि दूसरे लोग कम्युनिकेशन कैसे लेते हैं और उस पर कैसे रिस्पॉन्ड करते हैं। फ्रैंकफर्ट (2018) ने कंटेम्पररी ट्रुथ स्टडीज में, ऑन ट्रुथ, लाइज, एंड बुलशिट, असली सच और एक्चुअल सच के बीच फर्क किया है, यह फर्क राम की मल्टीडाइमेंशनल सच्चाई में पूरी तरह से साफ दिखता है। फ्रैंकफर्ट कहते हैंः एक सच्चे सच बोलने वाले को सिर्फ सटीकता से नहीं, बल्कि असलियत की ओर एक बुनियादी झुकाव से अलग किया जाता है, एक ऐसी क्वालिटी जो राम के सभी इंटरैक्शन की खासियत है। धर्मः नेकी का डायनामिक प्रिंसिपल राम के धर्म से रिश्ते को समझने के लिए, हमें सिर्फ नियम मानने से आगे बढ़कर धर्म को एक जीते-जागते, सांस लेने वाले प्रिंसिपल के तौर पर समझना होगा जो अपने जरूरी नेचर को बनाए रखते हुए कॉन्टेक्स्ट के हिसाब से ढल जाता है। धर्म को एक नदी की तरह सोचें जो अलग-अलग इलाकों से बहते हुए भी अपना असली रूप बनाए रखती है। राम दिखाते हैं कि मॉडर्न एथिक्स जीसे सिचुएशनल विजडम कहते हैं यह खास सिचुएशन में यूनिवर्सल प्रिंसिपल्स को अप्लाई कर उनके काबिलियत पर जानने की जरुरत है। भगवान राम ने जब अलग-अलग काम राजधर्म बनाम पुत्रधर्म सामने आते हैं, तो राम का पक्का इरादा दिखाता है यानी मयार्दा का पालन करना जिसे बाद में फिलॉसफर जॉन रॉल्स ने रिफ्लेक्टिव इक्विलिब्रियम कहा। जैसा कि स्वामी विवेकानंद ने राज योग (1896) में कहा थाः राम हमें दिखाते हैं कि धर्म नियमों का सख्ती से पालन करना नहीं है, बल्कि इंसानी कामों के तालमेल का जीता-जागता उदाहरण है इसलिए भगवान पर भरोसा रखें वाद विवाद से बचें व्यक्तित आरोपों से बचना चाहिए। मयार्दा में रह कर ही देश की गरिमा बचेगी और आप कों कौन क्या कहता है इसपर ध्यान देने की जरुरत नहीं है आरोप का जबाब काम से दें ईश्वर हमेशा सही वक़्त पर सही न्याय देता है बस सब्र बनाये रखें विश्वास रखें और जब मन शांत होगा तभी अच्छा विचार आएगा।

संपादकीय

बेरोजगार नौजवानों को आकर्षित करने में विफल

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत अवसर एक लाख 65 हजार थे, लेकिन सवा 33 हजार नौजवान ही ज्वाइन करने को तैयार हुए। उनमें से भी लगभग 20 फीसदी ने बीच अवधि में ही इसे छोड़ दिया। यह कहना शायद जल्दबाजी हो कि प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना फेल हो गई है। फिर भी यह तो कहा ही जाएगा कि ज्यादातर बेरोजगार नौजवानों को आकर्षित करने में यह विफल रही है। यह बात की पुष्टि खुद संसद में पेश सरकारी आंकड़े करते हैं। कंपनी मामलों के राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा ने लोकसभा में बताया है कि पहले दो चरणों में सिर्फ 33,300 नौजवानों ने इंटर्नशिप स्वीकार की। उनमें से 6,618 ने बीच में ही इसे छोड़ दिया। पहले चरण में कंपनियों ने 82 हजार और दूसरे चरण में 83 हजार इंटर्नशिप के ऑफर दिए। यानी अवसर एक लाख 65 हजार थे, जबकि सवा 33 हजार नौजवान ही ज्वाइन करने को तैयार हुए। उनमें से भी लगभग 20 फीसदी ने बीच अवधि में ही इसे छोड़ दिया। छोड? वालों में बड़ी संख्या उन इंटर्न्स की रही, जिन्होंने कार्यस्थल दूर होने या परिवहन सुविधाजनक ना होने को अपने फैसले की वजह बताया। गौरतलब है कि पिछले लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र ने बड़े धूम-धड़ाके से यह योजना घोषित की थी। इसके तहत इंटर्नशिप लेने वाले नौजवानों को एक बार छह हजार रुपए के भुगतान के अलावा 12 महीनों तक पांच हजार रुपए का भत्ता देने का प्रावधान है। सरकार ने कहा था कि इस योजना के तहत पांच वर्ष में एक करोड़ नौजवानों को ट्रेनिंग दी जाएगी, ताकि वे रोजगार का कौशल हासिल कर सकें। मगर पहले दो वर्ष में योजना पर अमल के जो आंकड़े सरकार ने दिए हैं, जाहिर है, वे निराशाजनक हैं। कारण बुनियादी है। बेरोजगारी की समस्या ऐसी मरहम-पट्टी से दूर नहीं होने वाली है। इसके लिए आर्थिक सोच में आमूल परिवर्तन करना होगा। उत्पादन एवं वितरण से संबंधित वास्तविक अर्थव्यवस्था तथा मानव विकास में लगातार निवेश हो, इसे सुनिश्चित करना होगा। मूलभूत क्षेत्रों में निवेश की कमी भारत में बेरोजगारी का प्रमुख कारण है। पिछले लोकसभा चुनाव में अचानक यह समस्या सतह पर उभरती नजर आने लगी। तो नरेंद्र मोदी सरकार ने इस योजना के जरिए समाधान का संदेश देने की कोशिश की। लेकिन गंभीर मसलों से सचमुच आंख मिलाने की इच्छाशक्ति ना हो, तो ऐसे संदेश बेअसर ही साबित होते हैं।

चिंतन-मनन

प्रकृति की तीन शक्तियां

प्रकृति में तीन शक्तियां हैं- ब्रह्म शक्ति, विष्णु शक्ति और शिव शक्ति। प्रायः तुममें कोई भी एक शक्ति अधिक प्रबल होती है। ब्रह्म शक्ति वह ऊर्जा है जो नव-निर्माण करती है; विष्णु शक्ति ऊर्जा का पालन करती है और शिव शक्ति वह ऊर्जा है जो रूपांतरण करती है- नया जीवन देकर या संहार कर। तुममें से कुछ हैं जिनमें ब्रह्म शक्ति प्रबल है। तुम सृष्टि तो कर सकते हो, पर अपनी रचना को सुरक्षित नहीं रख पाते। हो सकता है तुम तुरंत ही नए मित्र बना लो, परंतु वह मित्रता अधिक समय तक टिकती नहीं। तुममें कुछ और लोग हैं जिनमें विष्णु शक्ति है। तुम रचना नहीं कर सकते, परंतु जो है उसे अच्छी तरह संभालकर रखते हो। तुम्हारी सभी पुरानी दोस्ती बहुत स्थायी होती है, परंतु तुम नए मित्र नहीं बना पाते। और तुममें कुछ ऐसे भी लोग हैं जिनमें शिव शक्ति प्रबल है। वे नव-जीवन लाते हैं या रूपांतरण, या जो है उसे खत्म करते हैं। गुरु शक्ति में ये तीनों शक्तियां पूर्ण रूप से प्रफुल्लित हैं। पहले यह पहचानो कि तुममें कौन-सी शक्ति प्रबल है और फिर गुरु शक्ति की आकांक्षा करो, प्रार्थना करो। संपूर्ण सृष्टि सरलता और बुद्धिमत्ता के मंगलमय लय से प्रकृति के नियमों पर चल रही है। यही मंगल ही दिव्यता है। शिव वह सामंजस्यपूर्ण सरलता है जो कोई नियंत्रण नहीं जानती। शिव का विपरीत है वशी, यानी नियंत्रण। नियंत्रण मन का होता है। नियंत्रण का अर्थ है दो, द्वैत, कमजोरी। वशी का अर्थ है स्वाभाविकता से कुछ करने के बजाए दबाव द्वारा कुछ करना।

संवैधानिक कोर्ट के फैसलों का कड़ाई से पालन हो; नागरत्ना

सनत जैन

न्यायपालिका केवल फैसलों का मंच नहीं है और न ही न्यायपालिका कोई प्रशासनिक मंच ही है। न्यायाधीश को हर प्रकरण में गुण और दोष के आधार पर बिना किसी भेदभाव के संविधान के अनुसार फैसला देने की बाध्यता है। न्यायपालिका वह अंतिम सीढ़ी है, जो संविधान के अनुसार विधायिका और कार्यपालिका जो निर्णय करती हैं, इसकी विवेचना करते हुए संविधान के अनुसार सही हो। यह न्यायपालिका को सुनिश्चित करना होता है। भारतीय संविधान ने न्यायपालिका को सर्वोच्च स्थिति में रखा है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट संविधान के प्रावधानों का पालन मौलिक अधिकारों को ध्यान में रखते हुए नियम और कानून के अनुरूप हो। यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी संविधान ने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों को सौंपी है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों को एक समान अधिकार प्राप्त हैं। इनमें अंतर केवल इतना है, कि हाईकोर्ट के न्यायाधीश अपने अधिकारिता के क्षेत्र में निर्णय कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय राष्ट्रीय स्तर पर लागू होते हैं। सुप्रीम कोर्ट को हाईकोर्ट से इतर एक विशेष अधिकार प्राप्त है। वह हाईकोर्ट के निर्णय की समीक्षा कर उनके निर्णय को बदलने का अधिकार सुप्रीम कोर्ट को होता है।

मौत की सजा वाले विशेष मामले को छोड़कर सुप्रीम कोर्ट का निर्णय राष्ट्रीय स्तर पर सभी के लिए अंतिम निर्णय के रूप में बंधनकारी होता है। अनुशासन, परंपरा और संस्थागत संतुलन का यह संवैधानिक ढांचा है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस नागरत्ना द्वारा दिया गया हालिया फैसला, 2014 की संविधान पीठ के निर्णय को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज करते हुए जो टिप्पणी की है, संवैधानिक पीठ के निर्णय को सर्वोच्चता प्रदान की है। न्याय पालिका में अधिवक्ताओं की जिम्मेदारी और जवाबदारी को स्पष्ट किया है। जो न्यायपालिका के अनुशासनात्मक ढांचे की रक्षा का सशक्त उदाहरण है। यह निर्णय सिर्फ.एक कानूनी विवाद का अंत नहीं करता, बल्कि न्यायिक वरीयता क्रम और संस्थागत मयार्दा की अनदेखी पर गहरी चिंता जताता है। संविधान पीठ के निर्णय सर्वोच्च न्यायिक विवेक द्वारा गंभीर विचार विमर्श के बाद लिए जाते हैं। इन्हें वर्षों की सुनवाई, व्यापक बहस और संवैधानिक व्याख्या के बाद दिया जाता है। ऐसे में अनुच्छेद 32 के तहत वर्षों बाद उसी निर्णय को चुनौती देना न्यायिक अनुशासन पर सीधा प्रहार है। यही कारण है, न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने इस याचिका को न केवल खारिज किया, बल्कि याचिकाकर्ता पर 1 लाख का जुमार्ना लगाकर स्पष्ट संदेश दिया है, कि न्यायिक निर्णयों के वरीयता क्रम की अवहेलना किसी भी कीमत में स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए। यह नाराजगी केवल न्यायाधीशों की व्यक्तिगत असहमति नहीं, बल्कि न्यायपालिका की संस्थागत चिंता का विषय है। संविधान पीठ के ही निर्णयों को न्यायपालिका या न्यायपालिका से जुड़े अधिवक्ताओं द्वारा हल्के में लिया जाएगा, तो न्यायिक स्थिरता बनाए रखना संभव नहीं होगा। हर फैसले को बार-बार चुनौती मिलेगी। जिससे निचली अदालतों से लेकर शीर्ष अदालतों तक भ्रम और अराजकता को फैलाने का कारण बनेगी। अदालत का यह कहना कि ऐसी याचिकाएं पूरे न्यायपालिका के सिस्टम को 'चरमराने' की ओर ले जाती हैं। मामले का संवैधानिक पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

शिक्षा का अधिकार (अनुच्छेद 21ए) और अल्पसंख्यकों के शैक्षणिक अधिकार (अनुच्छेद 30) के बीच संतुलन को बरकरार रखते हुए संविधान पीठ का निर्णय था। 2014 के फैसले में संवैधानिक पीठ ने स्पष्ट व्याख्या करते हुए अल्पसंख्यक संस्थानों को आरटीआई से छूट दी थी। उस संतुलन को वर्षों बाद तोड़ने की कोशिश न्यायिक परंपरा के विरुद्ध है। यह केवल कानून की पुनर्व्याख्या नहीं, बल्कि स्थापित संवैधानिक व्यवस्था को अस्थिर करने का सुनियोजित प्रयास माना जा सकता है। अदालत की सख़्ती ने वकीलों की भूमिका पर भी गंभीर सवाल उठाये हैं।

न्यायालय ने स्पष्ट किया कि अधिवक्ताओं से अपेक्षा है, वह वरीयताक्रम, बाध्यकारी फैसलों और न्यायिक मयार्दा का सम्मान करें। दुर्भावनापूर्ण या अविवेकपूर्ण याचिकाएं न केवल अदालत का समय नष्ट करती हैं बल्कि आम नागरिकों के न्याय पर जो भरोसा है, उसको कमजोर करती हैं। वर्तमान स्थिति में जब लोकतांत्रिक संस्थाएं लगातार कई प्रकार के दबाव का सामना कर रही हैं, सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय न्यायपालिका की आत्मरक्षा के साथ-साथ लोगों का भरोसा न्यायपालिका पर बनाए रखने जैसा है। न्यायमूर्ति नागरत्ना का साफ संदेश है, वरीयता क्रम की अनदेखी से न्यायाधीशों में नाराजगी स्वाभाविक है। ऐसी प्रवृत्तियों पर कठोरता के साथ रोक लगाना आवश्यक है। न्यायपालिका की मजबूती, अनुशासन, न्यायायिक निर्णयों की स्थिरता ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी सुरक्षा है। यह फैसला उसी मूल भावना को पुष्ट करता है।

संसद में प्रदूषण पर चर्चा का मुद्दा

राज कुमार सिन्हा

वायु प्रदूषण आज हमारे समय का सबसे मौन लेकिन सबसे घातक सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बन चुका है। शहर हों या गांव, हर जगह हवा में घुले अदृश्य जहरीले कण, जैसे औद्योगिक धुआं, वाहनों का उत्सर्जन, थर्मल पावर प्लांटों की राख और घरेलू ईंधन का धुआं लोगों की सांसों पर भारी पड़ रहे हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि लोग बिना शोर-शराबे के बीमार हो रहे हैं। न इसका दर्द तुरंत दिखता है, न इसकी मार तत्काल महसूस होती है, लेकिन शरीर को भीतर से खोखला करने की इसकी क्षमता बेहद तेज है। आज हवा में घुला जहर केवल पर्यावरण संकट नहीं, बल्कि मानव स्वास्थ्य पर चल रहा एक धीमा हमला है।

वायु प्रदूषण को रोकना अब केवल पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं रहा, यह एक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति बन चुका है। वायु प्रदूषण सिर्फ स्वास्थ्य की समस्या नहीं, यह सामाजिक असमानता का आईना भी है। सबसे गंदी हवा वही लोग सांस में लेते हैं जो इसके लिए सबसे कम जिम्मेदार हैं, गरीब परिवार, सड़क किनारे रहने वाले लोग, औद्योगिक क्षेत्रों के पास बसे समुदाय और मेहनतकश मजदूर। सांस की बीमारियां जैसे अस्थमा, सीओपीडी, खांसी, ब्रोंकाइटिस अब हर घर की सामान्य शिकायत बनती जा रही हैं। दिल और दिमाग पर इसका प्रभाव और भी घातक है। हवा में मौजूद सूक्ष्म कण रक्त में घुलकर दिल का दौरा, उच्च रक्तचाप और स्ट्रोक का जोखिम बढ़ा देते हैं। वायु प्रदूषण की सबसे ज्यादा मार बच्चों पर पड़ती है। उनके विकसित होते फेफड़े प्रदूषित हवा सहन नहीं कर पाते, जिससे जीवनभर के लिए फेफड़ों की क्षमता कम हो जाती है।

बुजुर्ग और गर्भवती महिलाएं भी अत्यधिक जोखिम में रहती हैं, क्योंकि उनकी कमजोर प्रतिरोधक क्षमता हवा में मौजूद सूक्ष्म विषैले कणों से प्रभावी ढंग से लड़ नहीं पाती।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के जलवायु, पर्यावरण और स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, वायु प्रदूषण से हर साल विश्व में लगभग 90 लाख मौतें होती हैं। नवंबर में प्रकाशित लैंसेट की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 मंफ भारत में 17 लाख मौतें वायु प्रदूषण के कारण हुईं। यह संख्या 2010 की तुलना में 38 प्रतिशत अधिक है। इनमें से 7.5 लाख मौतों के लिए जीवाश्म ईंधन जिम्मेदार है। अकेले कोयले से लगभग 4 लाख मौतें हुईं हैं। वैश्विक स्तर पर जीवाश्म ईंधन से जुड़े वायु प्रदूषण के कारण 25.2 लाख मौतें दर्ज की गईं। ये निष्कर्ष ऐसे समय में आए हैं जब दिल्ली और उत्तर भारत का बड़ा हिस्सा फिर से घने शीतकालीन धुंध की चपेट में है। दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स 360 के पार पहुंच चुका है। कई इलाकों में पीएम 2.5 स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन की तय सुरक्षित सीमा से 20 गुना अधिक दर्ज किया गया है। हरियाणा में वायु प्रदूषण के कारण प्रीमेच्योर डिलीवरी के मामलों में वृद्धि देखी गई है।

पीजीआई रोहतक की गायनी विभाग की अध्यक्ष डॉ. पुष्पा दहिया के अनुसार, एक वर्ष में 13, 500 डिलीवरी हुईं है। इनमें से 18 प्रतिशत (2, 430 बच्चे) प्रीमेच्योर जन्मे हैं। इसका प्रमुख कारण प्रदूषण बताया गया है। राष्ट्रीय व्यावसायिक स्वास्थ्य संस्थान द्वारा कोयला खदानों के पास रहने वाले 1, 202 लोगों पर किए गए अध्ययन में पाया गया कि 14.3 प्रतिशत श्रमिकों, 10 प्रतिशत पर्यवेक्षक कर्मचारियों और 7.8 प्रतिशत स्थानीय निवासियों के फेफड़ों का कार्य असामान्य था। एक्स-रे में फेफड़ों में फाइब्रोसिस के मामले भी सामने आए हैं। भारत में वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए कई कानून मौजूद हैं। वायु (रोकथाम और प्रदूषण का नियंत्रण) अधिनियम, 1981 के तहत केंद्र और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को निगरानी और कार्रवाई की शक्तियां दी गई हैं। 2019 में शुरू किया गया राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) देश का सबसे बड़ा केंद्र-स्तरीय प्रयास है, जिसका लक्ष्य 131 शहरों में पीएम 10 स्तर को 40 प्रतिशत तक कम करना है। हालांकि, 2019-2025 के बीच जारी 11, 211 करोड़ रुपये में से केवल 68 प्रतिशत (7, 594 करोड़ रुपये) का ही उपयोग हो पाया है।

मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की 2024-25 की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य के 29 जिला मुख्यालयों की हवा पिछले वर्ष की तुलना में और खराब हुई है। इसमें इंदौर जैसे 'स्वच्छ शहर' भी शामिल हैं। आदिवासी बहुल जिलों अलीराजपुर, डिंडोरी, उमरिया, बैतूल में भी एक्यूआई लगातार बढ़ रहा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने देश के 131 शहरों को नॉन-अटेनमेंट (वायु गुणवत्ता का अनुपालन नहीं करने वाला शहर) सिटी घोषित किया है। मध्यप्रदेश के भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, सागर और देवास इस सूची में शामिल हैं।

राज्य सरकार ने शहरों में प्रदूषण कम करने के लिए नगर वन योजना को पुनर्जीवित करने की घोषणा की है, जिसके तहत पांच वर्षों में 500 करोड़ रुपये खर्च किए जाने हैं। लेकिन दूसरी ओर, भोपाल में 27, 000 पेड़ काटने का प्रस्ताव विरोध के बाद रद्द हुआ। अयोध्या बायपास विस्तार के लिए 8, 000 पेड़ों की कटाई पर विरोध। जबलपुर, सागर, रायसेन और मंडला में अवैध या नियमविरुद्ध पेड़ कटाई के मामलों पर हाईकोर्ट और एनजीटी को हस्तक्षेप करना पड़ा है। ये उदाहरण दिखाते हैं कि विकास की अंधी दौड़ में पर्यावरणीय संतुलन लगातार नजर अंदाज किया जा रहा है। उद्योग, शहरीकरण और उपभोग को अनियंत्रित रूप से बढ़ाते हुए हमने हवा, पानी और मिट्टी तीनों को प्रदूषित कर दिया है। वायु प्रदूषण अब भविष्य की नहीं, आज की आपदा है। अगर संसद, सरकार और समाज ने इसे स्वास्थ्य आपातकाल की तरह नहीं लिया, तो इसकी कीमत हमें सांसों से चुकानी पड़ेगी।

(लेखक बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ से जुड़े हैं)

संक्षिप्त समाचार

हत्या मामला : मुकदमे का सामना कराने के लिए पेरू से अमेरिका लाया गया व्यक्ति

लॉस एंजिलिस , एजेंसी। दक्षिण कैलिफोर्निया के जंगल में अपनी पत्नी की हत्या करने और उसका शव फेंकने के आरोप में मुकदमे का सामना करने के लिए एक व्यक्ति को पेरू से अमेरिका लाया गया। लॉस एंजिलिस के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। लॉस एंजिलिस काउंटी शेरिफ विभाग ने कहा, जोसिमार कैब्रा (36 वर्षीय) शुक्रवार रात लॉस एंजेलिस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचा। उसे अगस्त के अंत से पेरू में हिरासत में रखा गया था। जिला अटॉर्नी कार्यालय ने उनके खिलाफ हत्या का मामला दायर किया है। रविवार तक यह पता नहीं था कि उसके पास वकील है या नहीं। शेयला कैब्रा (33 वर्षीय) का शव 16 अगस्त को लॉस एंजिलिस काउंटी के लैंकेस्टर शहर के दक्षिण में एंजल्स नेशनल फॉरेस्ट के एक ढलान के नीचे पाया गया।

नेपाल में भारतीय राजदूत के स्वास्थ्य में सुधार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव को स्टेंट डाला गया है। उनकी स्थिति में सुधार हो रहा है। राजदूत को शुक्रवार को चंपादेवी पहाड़ी पर हाइकिंग के दौरान दिल का दौरा पड़ा था। उन्हें नेपाली सेना के हेलिकॉप्टर से ग्रांडी अस्पताल लाया गया। जांच में हृदय की बाईं धमनी में ब्लॉकेज मिलने पर स्टेंट डाला गया।

अटॉर्नी जनरल को हटाने के फैसले पर सुप्रीम रोक

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइल के सुप्रीम कोर्ट ने रविवार को सरकार के अटॉर्नी जनरल गाली बहारव-मियारा को पद से हटाने के फैसले को पलट दिया और कहा कि वह अपने पद पर बनी रहेंगी। न्यायालय ने सरकार के इस प्रयास में प्रक्रियात्मक दोषों और कानूनी आधार की कमी के कारण उसकी आलोचना की। सात न्यायाधीशों की पीठ ने जोर दिया कि कानून का शासन सभी पर लागू होता है और कहा कि सरकार के इस आचरण के कारण हुई बड़ी असुविधा हुई है। न्यायालय ने कहा कि अगस्त में बिना उचित परामर्श और कानूनी आधार के बहारव-मियारा को हटाने का फैसला जल्दबाजी में लिया गया था।

बीजिंग में तबला वादक जाकिर हुसैन को दी संगीतमय श्रद्धांजलि

बीजिंग , एजेंसी। चीन के बीजिंग में भारतीय दूतावास ने महान तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन की याद में संगीत कार्यक्रम स्मरण का आयोजन किया। इसे विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र के सम्मानित कलाकार और तबला शिक्षक बिवाकर चौधरी ने तैयार किया।?दूतावास ने शनिवार को पोस्ट में कहा कि कार्यक्रम में हर ताल उस महान कलाकार को श्रद्धांजलि थी, जिनकी कलात्मकता ने सरहदों को पार करके लाखों लोगों के दिलों को छुआ था।

चिली : राष्ट्रपति चुनाव में वाम उम्मीदवार ने हार मानी, कास्ट विजयी

सैंटियागो, एजेंसी। चिली की सत्तारूढ़ वाम गठबंधन की उम्मीदवार जेनेट जारा ने रविवार को राष्ट्रपति चुनाव में हार स्वीकार कर ली है। शुरुआती नतीजों में अति-दक्षिणपंथी जोस एंटोनियो कास्ट को मजबूत बढ़त मिलती दिखाई दी। मतदाताओं ने बढ़ते अपराध और अप्रवासन के डर के बीच बदलाव के पक्ष में मतदान किया। 83 फीसदी मतों की गणना हो चुकी है। कास्ट ने 58 फीसदी और जारा ने 41 फीसदी वोट हासिल किए। जारा ने सोशल मीडिया पर कास्ट को चुनावी जीत पर बधाई दी और समर्थकों से वादा किया कि वह देश के बेहतर भविष्य के लिए काम करती रहेंगी।

30 वर्षीय युवक के सिर पर सवार हुई सनक, दो लोगों को चाकू मारा; फुकुओका शहर में पुलिस ने दबोचा

टोक्यो, एजेंसी। जापानी पुलिस ने सोमवार को फुकुओका शहर में ।घ्ञ48 के एंटरटेनमेंट कॉम्प्लेक्स में हुई छुरी मारने की घटना के संदिग्ध को गिरफ्तार किया। इस हमले में दो लोग घायल हुए हैं। हालांकि अब उनकी हालत ठीक है। पुलिस ने बताया कि 30 वर्षीय संदिग्ध ने रविवार को 44 वर्षीय पुरुष को छाती में छुरी मारी। घायल पुरुष ।घ्ञ48 थिएटर में काम करते थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जब उन्होंने संदिग्ध को अनधिकृत क्षेत्र में देखा और उसे बाहर जाने के लिए कहा, तो यह हमला हुआ। सनकी युवक ने महिला को भी मारी छुरी इतना ही नहीं संदिग्ध ने 27 वर्षीय महिला को भी एक लिफ्ट हॉल में पीठ पर छुरी मारकर घायल किया और फिर वहां से फरार हो गया। पुलिस इस मामले की हत्या के प्रयास के रूप में जांच कर रही है, लेकिन उन्होंने संदिग्ध के मोटिव के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं दी।

सिडनी में अधेड़ पिता और 24 वर्षीय बेटे के सिर पर खून सवार हुआ, 50+ यहूदी घरों में मातम..

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में यहूदी समुदाय के खिलाफ हमले की आशंका पहले से ही थी। गाजा में इस्राइल की कार्रवाई के बाद यहूदी समुदाय के खिलाफ घटनाओं में वृद्धि देखी गई थी। इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने यहूदी विरोधी भावना के बारे में ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंटोनी अल्बनीज को चेताया भी था। सिडनी हमले से यह आशंका सच साबित हुई। आतंकी हमले के बाद समुद्र तट पर अफरा-तफरी मच गई। उत्सव मनाने के लिए जुटे लोगों को जहां-तहां भागकर जान बचानी पड़ी। नेतन्याहू ने रविवार को कहा कि उन्होंने अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष को चेतावनी दी थी कि देश की नीतियां यहूदी-विरोधी भावना को बढ़ावा देती हैं। उन्होंने गोलीबारी को क्रूर हत्या बताया और कहा कि जब नेता चुप रहते हैं तो यहूदी-विरोधी भावना फैलती है। उन्होंने कहा, आपको कमजोरी की जगह कार्रवाई करनी होगी। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया में यहूदी विरोधी यह कोई पहले घटना नहीं है। यहूदियों के खिलाफ आक्रामकता की शुरुआत अक्तूबर 2023 में ही हो गई थी, हमास ने इस्राइल पर हमला किया था, जिसमें 1,200 से अधिक लोग मारे गए थे। इसके कुछ ही दिनों बाद सिडनी में एक यहूदी बेकरी के सामने लाल रंग का उल्टा त्रिकोण स्प्रे से बनाया गया। हमास के खिलाफ इस्राइल ने जबावी सैन्य कार्रवाई शुरू की तो यहूदी विरोधी घटनाओं में और तेजी आई। उसके बाद फिर यह सिलसिला चलता रहा। यहूदियों से जुड़े स्थलों पर हमले किए गए, दीवारों पर आपत्तिजनक नारे लिखे गए। इन घटनाओं के बाद से यहूदी माता पिता अपने बच्चों को डे केयर भेजने से डरने लगे थे। कई यहूदी स्कूलों ने अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की है। हालात को देखते हुए ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने पिछले वर्ष यहूदी विरोध से निपटने के लिए अपना पहला विशेष दूत नियुक्त किया था। ऑस्ट्रेलिया की कुल 2.70 करोड़ आबादी में करीब 1.50 लाख यहूदी समुदाय के लोग हैं। यह समुदाय संख्या में छोटा है, लेकिन समाज में गहराई से जुड़ा हुआ है. अनुमान के मुताबिक, इनमें से करीब एक तिहाई लोग सिडनी के पूर्वी उपनगरों में रहते हैं, जिनमें बोंडाई क्षेत्र भी शामिल है। रविवार को हुए हमले के पास मौजूद एक व्यक्ति ने कहा कि यहूदी होना पिछले कुछ वर्षों में बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया है। शायद एक दिन उन्हें इस्राइल जाना पड़े। इस्राइल यहूदियों के लिए अब वही दुनिया में एकमात्र सुरक्षित जगह नजर आने लगी है। ऑस्ट्रेलियाई तट पर यहूदियों पर हमला करने वाले एक आतंकी की पहचान नवीद अकरम के रूप में हुई है। सोशल मीडिया रिपोर्टों के अनुसार 24 अकरम मूल रूप से पाकिस्तान के लाहौर का रहने वाला है। वह सिडनी के अल-मुराद इंस्टीट्यूट में छात्र रहा है। उसका ड्राइविंग लाइसेंस ऑनलाइन प्रसारित हो रही है, जिसके फोटो में वह पाकिस्तान क्रिकेट जर्सी पहने नजर आता है। पुलिस ने उसके घर पर छापा मारा। अकरम वही आतंकी है, जिसके हथियार को एक व्यक्ति ने छीन लिया था। इसका वीडियो भी वायरल हो रहा है। हालांकि, पुलिस ने यह नहीं बताया है कि क्या अकरम को पकड़ लिया गया है।

बोंडी समुद्र तट पर यहूदी त्योहार मना रहे लोगों पर दो आतंकवादियों की तरफ से की गई गोलीबारी में 16 लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों समेत 40 लोग घायल हुए हैं। ऑस्ट्रेलियाई सरकार इसे आतंकी हमला करार दिया है। न्यू साउथ वेल्स प्रांत के पुलिस आयुक्त माल मैन्योल ने कहा कि यह लक्षित घटना है और इसमें इस्तेमाल किए गए हथियारों के कारण इस नरसंहार को आतंकवादी हमला घोषित किया गया। पुलिस ने बताया कि यह हमला भारतीय समय के अनुसार दोपहर 2:17 बजे (ऑस्ट्रेलियाई समय शाम 7:47 बजे) हुआ। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल के आसपास के इलाके में मिली कई संदिग्ध वस्तुओं की जांच विशेषज्ञ अधिकारी कर रहे हैं, जिनमें संदिग्धों की एक कार में मिला एक देसी बम भी शामिल है।

वेनेजुएला के पास आसमान में बड़ा हादसा टला

कैरेकस, एजेंसी। कैरेबियाई देश कुराकाओ से न्यूयॉर्क जा रही जेटब्लू की एक उड़ान शुक्रवार को बड़े हवाई हादसे से बाल-बाल बच गई। पायलट को अमेरिकी वायुसेना के एक ईंधन भरने वाले टैंकर विमान से टकराव से बचने के लिए उड़ान की चढ़ान रोकनी पड़ी। पायलट ने सैन्य विमान पर सीधे उड़ान मार्ग में आने और ट्रांसपोंडर बंद रखने का आरोप लगाया। यह घटना वेनिजुएला के पास अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र में हुई। पायलट और एयर ट्रैफिक कंट्रोल के बीच रिकॉर्ड हुई बातचीत में पायलट ने कहा कि हम लगभग हवा में टकरा ही गए थे। वे सीधे हमारे रास्ते में आए। उनका ट्रांसपोंडर चालू नहीं था, यह हैरान करने वाला है। यह घटना जेटब्लू फ्लाइट 1112 के साथ हुई, जो कुराकाओ से न्यूयॉर्क के जेएफके हवाई अड्डे की ओर जा रही थी। पायलट के मुताबिक, अमेरिकी वायुसेना का टैंकर विमान उसी ऊंचाई पर था और महज 2 से 5 मील की दूरी से सामने से गुजरा। टकराव टालने के लिए विमान की चढ़ान रोकनी पड़ी। पायलट ने बताया कि इसके बाद सैन्य विमान वेनिजुएला के हवाई क्षेत्र की ओर बढ़ गया। जेटब्लू के प्रवक्ता डेरेक डोंब्रोव्स्की ने कहा कि घटना की सूचना संघीय अधिकारियों को दे दी गई है और किसी भी जांच में कंपनी सहयोग करेगी। पेंटागन ने टिप्पणी के लिए वायुसेना का हवाला दिया, लेकिन तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

प्यूर्टो रिको की गवर्नर ने विवादित विधेयक पर किए हस्ताक्षर : प्यूर्टो रिको, एजेंसी। प्यूर्टो रिको की गवर्नर जेनिफर गोंजालेज ने रविवार को एक विवादित विधेयक पर हस्ताक्षर किए। आलोचक का कहना है कि यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक है और सार्वजनिक जानकारी तक पहुंच को मुश्किल बना देगा। प्यूर्टो रिको लंबे समय से सरकारी पारदर्शिता की कमी के लिए जाना जाता रहा है।

गोंजालेज ने कहा कि यह विधेयक मौजूदा कानून में संशोधन करता है, ताकि नियम अधिक स्पष्ट हों, भ्रम कम हो और मुकदमों की संख्या कम हो। उन्होंने यह भी कहा कि इसमें नियमों का पालन न करने पर दंड तय किया गया है। कई मीडिया संगठन और नागरिक अधिकार समूहों ने विधेयक का विरोध किया है। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स के उत्तरी अमेरिका के कार्यकारी निदेशक क्लेटन वेइमर ने कहा, यह अविश्वसनीय है। इस संशोधन से प्यूर्टो रिको के नेता जानबूझकर अपने नागरिकों की जानकारी तक पहुंच को रोकेंगे और प्रेस की स्वतंत्रता की गुणवत्ता को भी कम करेंगे।

इस्राइल-हिजबुल्ला तनाव: दक्षिणी लेबनान में आईडीएफ के हवाई हमले, वरिष्ठ आतंकी जकारिया याह्या समेत कई ढेर

तेल अवीव, एजेंसी। दक्षिणी लेबनान में इस्राइल और हिजबुल्ला के बीच तनाव एक बार फिर तेज हो गया है। जहां इस्राइली सेना (आईडीएफ) ने हवाई हमले में हिजबुल्ला के वरिष्ठ आतंकी जकारिया याह्या अल-हज्ज समेत तीन आतंकियों को मार गिराने का दावा किया है। आईडीएफ के अनुसार ये आतंकी संगठन के ढांचे को दोबारा खड़ा करने में लगे थे और इस्राइल की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बने हुए थे।

आईडीएफ के मुताबिक जकारिया अल-हज्ज हिजबुल्ला में अहम भूमिका निभा रहा था। वह लेबनान की सुरक्षा एजेंसियों के भीतर अपने लोगों को सक्रिय करता था और हिजबुल्ला के खिलाफ आवाज उठाने वालों को दबाने का काम करता था। ऐसे में इस्राइली सेना ने कहा कि उसकी गतिविधियां इस्राइल के लिए खतरा थीं और इस्राइल-लेबनान के बीच हुए समझौते का उल्लंघन भी थीं।

बहुत तगड़ा हमला होगा, सीरिया में अमेरिकी सैनिकों की हत्या पर भड़के डोनाल्ड ट्रंप : दश्मिक, एजेंसी। सीरिया में हुए हमले में दो अमेरिकी सैनिकों और एक नागरिक के मारे जाने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने जवाबी हमले की कसम खा ली है। उन्होंने कहा कि अमेरिका करारा जवाब देगा। अमेरिका ने इस हमले के लिए इस्लामिक स्टेट समूह को जिम्मेदार ठहराया है। बाल्टीमोर में सेना-नौसेना फुटबॉल मैच के लिए रवाना होने से पहले अमेरिकी राष्टपति ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा, 'यह आईएसआईएस का हमला है।' उन्होंने मारे गए तीन अमेरिकियों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई है। ट्रंप ने कहा कि सीरिया के राष्टपति अहमद अल शारा भी इस हमले से बहुत परेशान और भड़के हुए हैं। रिपब्लिकन सेन जोनी ने कहा कि मारे गए सैनिक लोवा नेशनल गार्ड के जवान थे। उन्होंने कहा कि लोवा नेशनल गार्ड के सैनिकों की मौत पर बेहद दुख है और बाकी तीन घायल सैनिकों के जल्द ठीक होने की कामना करते हैं। यूएस सेंट्रल कमांड ने बताया कि एक आईएस के आतंकी ने हमला किया था और जवाबी हमले में वह भी मारा गया। इसके तुरंत बाद डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर कहा था, हमले के बहुत गंभीर परिणाम होने वाले हैं। बता दें कि बशर अल असद की सरकार गिरने केबाद पहली बार है।

डोनाल्ड ट्रंप ने इल्हान उमर को कहा था 'कचरा', अब उनके बेटे तक पहुंची आईसीई

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आने के बाद से प्रवासियों के लिए जीवन थोड़ा कठिन हो गया है। इसी क्रम में मिनेसोटा की डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि इल्हान उमर ने दावा किया है कि शनिवार को उनके बेटे अदनान को अमेरिकी इमिग्रेशन एंड कस्ट्म्स एनफोर्समेंट के एजेंट्स ने रोक लिया और उससे अपनी नागरिकता सिद्ध करने के लिए कहा। सीबीएस न्यूज के मुताबिक यह एजेंट्स सरकार के आदेश पर अवैध अप्रवासियों की तलाश कर रहे हैं। इल्हान ने पूरी घटना के बारे में जानकारी देते हुए कहा, 'कल, जब वह एक स्टोर पर कुछ खरीद रहा था, तभी उसे कुछ आईसीई एजेंट्स ने रोक दिया और अपनी नागरिकता सिद्ध करने को कहा। चूंकि अदनान अपना पासपोर्ट हमेशा अपने साथ रखता है, उसने उसे दिखाया और फिर उसे जाने दिया गया।' फिलहाल उमर के इस दावे को लेकर आईसीई की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। दरअसल, अमेरिका में इल्हान उमर का नाम कोई कम जाना पहचाना नहीं है। कश्मीर के मुद्दे पर खुलकर पाकिस्तान का सपोर्ट करने वाली और यहां की यात्रा करने वाली इल्हान उमर सोमालिया की मूल निवासी हैं। डोनाल्ड ट्रंप कई बार उन पर निजी हमला करते हुए उन्हें कचर बताकर कहा था कि वह नहीं चाहते कि यह अमेरिका में रहे। ट्रंप का आरोप है कि अमेरिका की नागरिकता पाने के लिए इल्हान ने अपने भाई से ही शादी कर ली।

कौन है अदनान हिरसी : इल्हान उमर और उनके पूर्व पति अहमद हिरसी के बेटे का नाम अदनान है। इसके अलावा इस दंपत्ति के दो बेटियां और हैं। हालांकि, इन तीनों के बारे में सार्वजनिक जानकारी बहुत कम है। हालांकि, 2016 में जब मिनेसोटा से इल्हान जीतकर आई थीं, उस वक्त अदनान 10 साल के थे। उमर ने बताया कि यह पहली बार नहीं है, जब उनके बेटे को एजेंट्स ने रोका हो। इससे पहले भी एक मस्जिद में वह कुछ लोगों के साथ नमाज पढ़ रहा था। ठीक उसी समय वहां पर एजेंट्स आ गए और सभी से पूछताछ की। हालांकि, बाद में सभी को छोड़ दिया गया।

मोरक्को-अल्जीरिया सीमा पर ठंड से 9 अफ्रीकी प्रवासियों की मौत, मानवाधिकार समूहों ने जताई चिंता

रबात, एजेंसी। मोरक्को से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां अल्जीरिया सीमा के पास रास असफूर इलाके में बेहद ठंडे मौसम के कारण नौ अफ्रीकी प्रवासी की मौत हो गई है। यह क्षेत्र सर्दियों में बहुत ठंडा होता है। मरने वालों में सात पुरुष और दो महिलाएं शामिल थीं। ऐसे में मोरक्को के मानवाधिकार संगठन ने चिंता जताते हुए कहा कि उनके थके हुए शरीर अत्यधिक ठंड सहन नहीं कर सके।

जानकारी के अनुसार, इनमें से एक प्रवासी गिनी का था, जबकि बाकी लोग सब-सहारन अफ्रीका के विभिन्न देशों से थे। उनकी पहचान के बारे में अभी अधिक जानकारी नहीं मिली है। मोरक्को की आंतरिक मंत्रालय ने इस मामले पर तुरंत कोई बयान नहीं दिया।

मानवाधिकार समहों ने जताई चिंता : इन प्रवासियों की मौत पर मानवाधिकार समूह ने कहा कि मरने वाले छह शव पिछले हफ्ते दफन किए गए और दो शव संबंधियों की मांग पर रखे गए। उन्होंने कहा कि इस मामले की पूरी निगरानी की जाएगी। मोरक्को के अन्य मानवाधिकार संगठन ने इस हफ्ते सीमाओं को मानवतावादी बनाने, अवैध प्रवास और निवास को अपराध नहीं मानने और गायब हुए प्रवासियों पर निगरानी रखने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि रास असफूर जैसी त्रासदियों से बचा जा सके।

हर साल होता है हजारों प्रवासियों का प्रवेश : बता दें कि हर साल हजारों प्रवासी बेहतर जीवन की तलाश में उत्तरी अफ्रीका से यूरोप की ओर अवैध रूप से जाने की कोशिश करते हैं। कुछ स्पेन के छोटे हिस्सों, सीउता और मेलिला तक पहुंचने के लिए बॉर्डर फेंस पर चढ़ते हैं या तैरते हैं। कुछ कैनरी द्वीप तक पहुंचने के लिए लंबा रास्ता लेते हैं। मोरक्को की सुरक्षा एजेंसियां ऐसे प्रयासों को अक्सर रोक देती हैं।

पाकिस्तान में बढ़ रहा फर्जी शादियों का ट्रेंड

इस्लामाबाद , एजेंसी। शादी किसी भी समाज के लिए एक उत्सव का दिन होती है। खासतौर पर उपमहाद्वीप में यह एक त्योहार की तरह मनाया जाता है, जो कई दिनों तक चलता है। भारत और पाकिस्तान की बात करें तो यहाँ पर शादी का एक कार्यक्रम हल्दी, मेहंदी से शुरू होता है और विदाई तक चलता है। इसमें पूरा परिवार और समाज शामिल होता है। हां, इसमें जिम्मेदारियां बहुत होती हैं। अब इसी मुद्दे को लेकर पाकिस्तान में फर्जी शादियों का चलन बढ़ रहा है। इसमें दूल्हा भी लड़की होती है और दुल्हन भी लड़की। शादी की रस्में बिल्कुल वैसी ही होती हैं, जैसी किसी एक सामान्य शादी में होती हैं। एक आम शादी से इतर इसमें लोग बिना किसी दबाव के केवल आनंद लेने के लिए आ सकते हैं। डी डब्ल्यू की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान में फर्जी शादियों का यह चलन 2023 के बाद लगातार लोकप्रिय होता जा रहा है। इसमें एक बिल्कुल असली शादी की तरह माहौल होता है और ठीक उसी तरह की सजावट होती है, हां, लेकिन दूल्हा और दुल्हन में किसी तरह की आजीवन प्रतिबद्धता या फिर पारिवारिक दबाव नहीं होता है।

लाहौर यूनिवर्सिटी में फर्जी शादी : पाकिस्तान में इस तरह की पहली शादी का आयोजन लाहौर यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट साइंसेज में किया गया। इस शादी ने न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय मीडिया और सोशल मीडिया का ध्यान भी अपनी तरफ खींचा। इसके बाद लोगों के मन में इसको लेकर उत्सुकता बढ़ी और अब कई जगह पर इसका आयोजन किया जाने लगा। इसमें महिलाएं बिना किसी पारिवारिक दबाव के उन्मुक्त होकर शादी का आनंद ले सकती हैं।

यूनिवर्सिटी में फर्जी शादी के बाद विरोध भी शुरू : यूनिवर्सिटी में दो लड़कियों के बीच हुई फर्जी शादी को मिली सोशल मीडिया कवरेज के बाद पाकिस्तान में इसका जमकर विरोध भी हुआ। कई लोगों ने इसे समलैंगिक शादी समझकर इसका विरोध करना शुरू कर दिया। यूनिवर्सिटी की छात्र परिषद के पूर्व अध्यक्ष ने बताया कि इस शादी के वीडियो वायरल होने के बाद छात्राओं को ऑनलाइन ट्रोलिंग का शिकार होना पड़ा। इससे यूनिवर्सिटी की भी काफी बदनामी हुई। लोगों से इस यूनिवर्सिटी को एलीट यूनिवर्सिटी के तौर पर पेश करना शुरू कर दिया कि यह तो हकीकत से कटी हुई है, जबकि हम बस वास्तव में पढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक तौर पर भी कुछ करना चाहते थे। यूनिवर्सिटी में हुए इस कार्यक्रम के विरोध के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने भी छात्रों की सुरक्षा और निजता को सुनिश्चित करने के लिए कई तरह की सावधानियां बरतनी शुरू कर दीं। सबसे पहले ऐसी शादियों के वीडियो और फोटो को ऑनलाइन पोस्ट करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया। इसके अलावा ऐसी शादी में शामिल होने के लिए केवल ऐसे लोगों को एंट्री देना जो इसे मनोरंजन के तौर पर लेते हों। 2023 में हुई पहली फर्जी शादी के बारे में बात करते हुए उस समय यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाली छात्रा ने डी डब्ल्यू को बताया कि ऑनलाइन वीडियो वायरल होने के बाद दुल्हन बनने वाली लड़की को काफी परेशानी हुई थी।

ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच पर गोलीबारी के बाद बोले ट्रंप- डरने की जरूरत नहीं, गर्व के साथ हनुक्का मनाएं

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि हनुक्का (यहूदी त्योहार) मनाने वाले लोगों को डरने की जरूरत नहीं है और उन्हें गर्व के साथ जश्न मनाना चाहिए। यह बात उन्होंने तब कही जब ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच पर यहूदी समुदाय के लोगों को गोलीबारी में निशाना बनाया गया। इस हमले में 16 लोगों की मौत हुई। सीएनएन ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। फॉक्स न्यूज के एक पत्रकार ने ट्रंप से फोन पर बातचीत के बाद उनका संदेश साझा किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति का संदेश साफ है कि हनुक्का मनाने वालों को चिंता करने की जरूरत नहीं है, उन्हें गर्व के साथ जश्न मनाना चाहिए और अपनी पहचान पर गर्व करना चाहिए। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है, जब ऑस्ट्रेलिया में सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ी हुई हैं। ऑस्ट्रेलियाई सरकार के मुताबिक, देश में आतंकवादी हमले की संभावना बनी हुई है और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। न्यू साउथ वेल्स पुलिस के मुताबिक, इसका मतलब है कि अगले 12 महीनों में किसी आतंकवादी हमले की योजना बनने या उसके अंजाम दिए जाने की संभावना 50 फीसदी से अधिक है। ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी ने कहा कि देश की सुरक्षा स्थिति एक संवेदनशील दौर में प्रवेश कर चुकी है और नए तरह के खतरों का सामना कर रही है। एजेंसी ने चेतावनी दी कि कम लागत में ऐसे हमले किए जा सकते हैं, आसानी से मिलने वाले हथियार और सरल तरीके इस्तेमाल होते हैं। ऐसे हमले अक्सर बड़े शहरों की भीड़भाड़ वाली जगहों पर किसी अकेले व्यक्ति या छोटे समूह द्वारा किए जा सकते हैं। पुलिस ने पुष्टि की है कि सिडनी के मशहूर बॉन्डी बीच पर हनुक्का उत्सव के दौरान हुई गोलीबारी में 16 लोगों की मौत हो गई और 40 अन्य घायल हुए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, घटना के समय वहां एक हजार से

ज्यादा लोग मौजूद थे। पुलिस ने बताया कि यह हमला सिडनी के यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर किया गया था। दो संदिग्ध हमलावरों में से एक को मौके पर ही मार गिराया गया, जबकि दूसरा हिरासत में है और उसकी हालत गंभीर है। पुलिस ने अभी संदिग्धों की पहचान सार्वजनिक नहीं की है और यह भी जांच की जा रही है कि कहीं कोई तीसरा हमलावर तो शामिल नहीं था। इस्राइल के विदेश मंत्रालय के मुताबिक, मरने वालों में एक इस्राइली नागरिक भी शामिल था। मंत्रालय ने बताया कि एक अन्य इस्राइली नागरिक घायल हुआ है और सिडनी के एक अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। घटना के कुछ घंटों बाद गोलीबारी को 'आतंकवादी हमला' घोषित किया गया। पुलिस ने कहा कि हनुक्का के पहले दिन हमले का समय और इस्तेमाल किए गए हथियारों सहित अन्य परिस्थितियों को देखते हुए यह फैसला लिया गया।

इस्राइल के अलग-अलग जगहों पर हमला : येरूशलम, एजेंसी। मामले में आईडीएफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि इस हमले से कुछ ही घंटे पहले उसने दक्षिणी लेबनान में दो और हिजबुल्ला आतंकियों को भी अलग-अलग हमलों में मार गिराया। इतना ही नहीं इस्राइली सेना ने यह भी दावा किया कि लेबनान के याटर इलाके में आईडीएफ ने एक ऐसे आतंकी को मारा, जो हिजबुल्ला के आतंकवादी ढांचे को फिर से खड़ा करने की कोशिशों में शामिल था। दूसरी ओर बिंत जिबैल इलाके में एक और आतंकी को मार गिराया गया, जो हिजबुल्ला का स्थानीय प्रतिनिधि था। वह लोगों से संपर्क रखता था और निजी संपत्तियों पर कब्ज़ा कर उन्हें आतंकी गतिविधियों में इस्तेमाल करता था। ऐसे में आईडीएफ का कहना है कि ये सभी हमले दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्ला के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा हैं।

अब तक 40 से ज्यादा आतंकी ढेर : बेरूत, एजेंसी। अक्तूबर से लेकर अभी तक दक्षिणी लेबनान के करीब 30 इलाकों में इस्राइल के हमले में 40 से ज्यादा आतंकी ढेर हुए। इस बात का दावा इस्राइल की सेना ने किया। जो हिजबुल्ला के ढांचे को दोबारा मजबूत करने की कोशिश कर रहे थे। गौरतलब है कि इस्राइल ने हिजबुल्ला पर सीजफायर समझौते का बार-बार उल्लंघन करने का आरोप लगाया है।

भारतीय टीम चौथे टी20 में भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी

लखनऊ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चौथे टी20 मैच में उतरेगी। भारतीय टीम इस सीरीज में 2-1 से आगे है और ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर पांच मैचों की इस सीरीज में अपनी बढ़त बनाये रखना रहेगा। इस मैच में भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव भी लंबी पारी खेलना चाहेंगे। सूर्या अब तक इस सीरीज में रन नहीं बनाने के कारण निशाने पर हैं। इस मैच में उपकप्तान शुभमन गिल को आराम देकर उनकी जगह पर संजू सैमसन को भी अवसर मिल सकता है। शुभमन भी इस सीरीज में रन नहीं बना पाये हैं। ऐसे में सभी का मानना है कि उन्हें आराम दिया जाना चाहिये। भारतीय टीम चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में सही संतुलन से उतर कर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करना चाहेगी।

सूर्यकुमार का इस सत्र में औसत 15 से कम है। इसके अलावा 2025 में उनके नाम कोई अर्धशतक नहीं है जो उनके करियर में इस तरह का सबसे लंबा चरण है। वह इस दौरान केवल दो बार 20 गेंद से अधिक बल्लेबाजी करने में सफल रहे हैं। टी20 विश्व कप में दो महीने से भी कम समय बचा है और ऐसे में टीम चाहेगी कि उनका कप्तान अपनी लय हासिल करे।

वहीं उप-कप्तान शुभमन गिल का प्रदर्शन भी काफी खराब रहा है। उनके पारी की शुरुआत करने के बाद से ही टीम का शीर्ष क्रम विफल रहा है। शुभमन को अच्छी बल्लेबाजी कर रहे संजू सैमसन की जगह पर टीम में शामिल किया गया था पर वह परिणाम नहीं दे पाये। शुभमन अभी तक टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपने को स्थापित नहीं कर पाये हैं। वह रविवार को कम लक्ष्य का पीछा करते हुए भी सिर्फ 28 रन ही बना पाए जिसने विश्व कप से पहले उनकी बल्लेबाजी पर सवाल उठ रहे हैं।

विश्व कप से पहले भारत के पास इस प्रारूप में अब सिर्फ 7 मैच हैं। अक्षर पटेल के बीमारी के कारण सीरीज से बाहर होने के बाद भारत ने शाहबाज अहमद को इस मैच के लिए टीम में जगह दी है। जिससे स्पिनर कुलदीप यादव को अधिक अवसर मिल सकते हैं। वहीं

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह निजी कारणों से इस मैच से बाहर हैं। ऐसे में उनकी जगह पर बांए हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को टीम में बनाये रखा जाएगा। पिछले मैच में अर्शदीप ने जबरदस्त खेल दिखाया था। वहीं हर्षित राणा ने भी धर्मशाला में अच्छी बल्लेबाजी की। अभी भारतीय टीम 5 मैचों की सीरीज में 2-1 से आगे है। ऐमें उसका हौंसला बुलंद है।

वहीं दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीकी टीम का लक्ष्य किसी भी प्रकार ये मैच जीतकर सीरीज में वापसी करना रहेगा। टीम की बल्लेबाजी एडेन मारक्रम (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, डेविड मिलर पर आधारित रहेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान एनरिक नोर्किया, लुंगी एनगिडी, कोर्बिन बॉश, केशव महाराज के पास रहेगी। टी20 विश्व कप फाइनल के बाद से दक्षिण अफ्रीका की टीम छोटे प्रारूप में 28 में से 18 मैच हारी है। इससे पता चलता है कि टीम में निरंतरता की कमी है। दक्षिण अफ्रीका को बेहतर संयोजन की तलाश है और इसको देखते हुए टीम प्रबंधन लगातार बदलाव कर रहा है जिससे खिलाड़ी लय हासिल नहीं कर पा रहे।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, एनटी तिलक वर्मा, शाहबाज अहमद, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, संजू सैमसन, हर्षित राणा, कुलदीप यादव और वाशिंगटन सुंदर।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मारक्रम (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, रीजा हेंड्रिक्स, डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, डोनोवन फरेरा, मार्को यानसेन, लूथो सिपाम्ला, ओटनील बार्टमैन, एनरिक नोर्किया, लुंगी एनगिडी, कोर्बिन बॉश, केशव महाराज और जॉर्ज लिंडे।

बुमराह निजी कारणों से घर लौटे, अंतिम टी20 में हो सकती है वापसी

-अक्षर बचे हुए दोनो मैचों से बाहर हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह निजी कारणों से अपने घर वापसी चले गये हैं। इस कारण उन्हें टीम से बाहर रखा गया है। इससे पहले बुमराह के अचानक ही टीम से बाहर होने के कारण कई प्रकार के सवाल उठ रहे थे। बीसीसीआई और टीम प्रबंधन के अनुसार परिवार में मेडिकल इमरजेंसी को देखते हुए ही बुमराह को घर लौटना पड़ा है। गौरतलब है कि बुमराह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 में भी शामिल नहीं थे। इसी कारण उनकी जगह युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा को टीम में जगह मिली थी। एक रिपोर्ट में बीसीसीसीआई के हवाले से कहा गया है कि बुमराह के परिवार का एक सदस्य गंभीर रुप से बीमार होने के बाद अस्पताल में भर्ती है। इसी कारण उन्हें घर लौटना पड़ा है। उनके चौथे या पांचवें टी20 में वापसी की उम्मीदें हैं। वहीं इस रिपोर्ट के अनुसार, अगर सब कुछ ठीक रहता है तो बुमराह अहमदाबाद में होने वाले पांचवें टी20 मुकाबले के लिए टीम में शामिल हो सकते हैं। हालांकि अभी उनकी , प्राथमिकता अपने परिवार के साथ रहना और स्थिति संभालना है। बुमराह के अलावा स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल भी बीमार होने के कारण तीसरे टी20 से बाहर रहे थे। इसी कारण उनकी जगह कुलदीप यादव को जगह मिली थी। अक्षर पटेल बिमारी के कारण बचे हुए दो मैचों से बाहर हो गये हैं। उनकी जगह पर शाहबाज़ अहमद को टीम में जगह मिली है। तीसरे टी20 में जीत के साथ ही भारत ने पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है। सीरीज का चौथा मुकाबला 17 दिसंबर को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेला जाएगा।

अभिषेक ने किया सूर्यकुमार ओर शुभमन का समर्थन, विश्वकप में दोनो हमें जीत दिलाएंगे

धर्मशाला (एजेंसी)। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव और उपकप्तान शुभमन गिल पिछले काफी समय से अपने खराब फार्म के कारण आलोचकों के निशाने पर हैं। वहीं भारतीय टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का मानना है कि अगामी टी20 सीरीज और विश्वकप में ये दोनो अपने प्रदर्शन से टीम को जीत दिलाएंगे। अभिषेक ने माना कि अभी ये रन नहीं बना पा रहे हैं पर कहा कि जब इनकी सबसे ज्यादा जरूरत होगी तो ये दोनों ही टीम के लिए जमकर रन बनाएंगे।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जारी पांच मैचों की टी20 सीरीज में सूर्यकुमार ने 3 मैचों में 29 और शुभमन ने 3 मैचों में 32 रन बनाए हैं। भारतीय टीम हालांकि सीरीज में आग है। धर्मशाला में खेले गए तीसरे टी20 मैच में भी उसान और उपकप्तान विफल रहे थे। इस मैच में शुभमन की धीमी बल्लेबाजी पर ही सवाल उठे हैं। इसके बाद भी अभिषेक का मानना है कि किसी को भी चिन्ता की जरुरत नहीं है। अभिषेक ने कहा, मैं ये दोनों विश्व कप में और उससे पहले दूसरी सीरीज में भी मेज विजेता साबित होंगे। मैं उनके साथ इतने लंबे समय से खेल रहा हूं, खासकर शुभमन के साथ, इसलिए मुझे पता है कि वह कहां मैच जिता सकता है, कोई भी हालात हो और टीम कोई भी हो। मुझे उस पर शुरू से ही बहुत भरोसा रहा है और मुझे उम्मीद है कि सब लोग इसे बहुत जल्द देखेंगे और उनको भी भरोसा हो जाएगा।

आईपीएल ऑक्शन-ऑस्ट्रेलिया के ग्रीन 25.20 करोड़ में बिके

केकेआर ने खरीदा, लीग के इतिहास के सबसे महंगे विदेशी; स्टार्क का रिकॉर्ड तोड़ा

अबु धाबी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बन गए हैं। उन्हें मंगलवार को अबु धाबी में चल रहे मिनी ऑक्शन में कोलकाता नाइट राइडर्स ने 25.20 करोड़ रुपए में खरीदा।

ग्रीन ने अपने ही देश के मिचेल स्टार्क का रिकॉर्ड तोड़ा। उन्हें 2024 में केकेआर ने ही 24.75 करोड़ रुपए में खरीदा था। पहले सेट में 6 प्लेयर्स ऑक्शन पूल पर लाए गए। इसमें से 2 ही बिके। डेविड मिलर को दिल्ली कैपिटल्स ने 2 करोड़ रुपए में अपने साथ जोड़ा। जेक फ्रेजर-मैकगर्क, डेवोन कॉन्वे, सरफराज खान और पृथ्वी शॉ अनसोल्ड रहे हैं। उन पर किसी ने बोली नहीं लगाई।

ऑक्शन इतिहास के सबसे महंगे

प्लेयर ऋषभ पंत हैं। उन्हें पिछले साल मेगा ऑक्शन में लखनऊ सुपर जायंट्स ने 27 करोड़ रुपए में खरीदा था। 10 टीमें 77 खिलाड़ियों को खरीदने के लिए बोली लगा रही है। नीलामी में 350 प्लेयर्स के नाम ऑक्शन पूल पर लाए जाएंगे।

किस टीम का पर्स सबसे बड़ा है?

सबसे कम प्लेयर्स को रिटेन करने वाली केकेआर का पर्स ही सबसे बड़ा है, टीम 64.30 करोड़ रुपए लेकर नीलामी में आएगी। उनके बाद चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पर्स में 43.40 करोड़ रुपए है। मुंबई इंडियंस के पर्स में सबसे कम 2.75 करोड़ रुपए है। आरसीबी, आरआर, पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस के पर्स में 11 से 17 करोड़ रुपए है। वहीं दिल्ली, लखनऊ और सनराइजर्स हैदराबाद के पर्स में 21 से 26 करोड़ रुपए है।

26 मार्च से शुरु होगा आईपीएल 2026 सत्र : बीसीसीआई

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि आईपीएल का 19वां सत्र अगले साल 26 मार्च 2026 से शुरू होगा। वहीं इसका खिताबी मुकाबला 31 मई को होगा। बीसीसीआई ने सभी फ्रेंचाइज़ियों को ये जानकारी दी है। जिसे सभी टीमें आगामी सत्र के लिए बेहतर तरीके से तैयारी कर सकें। इस बार मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) टूर्नामेंट का शुरुआती मैच खेलेगी। ये मैच घरेलू मैदान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में शायद ही खेला जाये क्योंकि इसकी उपलब्धता अभी पक्की नहीं हुई है। स्टेडियम की अनुमति राज्य सरकार से मिली है पर पिछले सत्र में आरसीबी की जीत के बाद यहां जिस प्रकार भगदड़ मची थी। उसे देखते हुए सुरक्षा मंजूरी के बाद ही यहां मैच खेला जा सकेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईपीएल का 19वाँ सीजन पुरुष टी20 विश्व कप के समाप्त होने के लगभग तीन हफ्ते बाद शुरू होगा। विश्व कप 7 फरवरी से 8 मार्च तक भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। इस कार्यक्रम से आईपीएल करीब दो महीने से ज्यादा चलेगा, जिसमें 10 टीमें हिस्सा लेंगी। हालाँकि पूरे मुकाबलों का कार्यक्रम अभी शेष है पर फाइनल 31 मई को होगा। एक बड़ा मामला यह उभर रहा है कि लगातार दूसरे साल आईपीएल और पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की तारीखें टकरा रही हैं। पीएसएल 2026 का आयोजन 26 मार्च से 3 मई तक प्रस्तावित है। इस प्रकार दोनों लीग एक साथ चलेंगी। इससे खिलाड़ियों की उपलब्धता पर प्रभाव पड़ सकता है।

अब शुभमन की जगह पर सैमसन को अवसर दें : कैफ

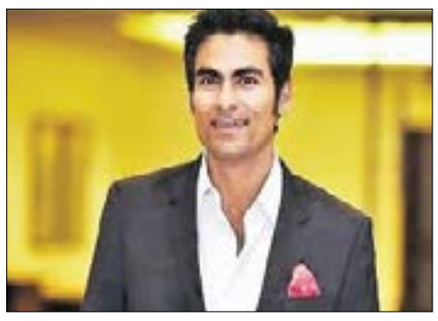

नई दिल्ल। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले तीन मैचों में असफल रहे बल्लेबाज शुभमन गिल को अब आराम देकर उनकी जगह पर संजू सैमसन को बचे हुए मैचों में रखा जाये। कैफ ने कोच गौतम गंभीर और टीम प्रबंधन से कहा है कि अब सैमसन को पारी की शुरुआत का अवसर दिया जाना चाहिये। शुभमन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के शुरुआती तीन टी20 मैचों में विफल रहे ओर केवल 4, 0 और 28 रन ही बना पाये।

कैफ ने कहा, शुभमन गिल को आरात देते हुए किसी अन्य खिलाड़ी को अवसर दें। वहीं कैफ ने कहा, सैमसन खिलाड़ी योग्य है उसे उनकी जगह पर अवसर मिलना चाहिये। ये उसका अधिकार है। वह सोच रहा होगा कि शुभमन तो एक साल से खेल रहे हैं और मुझे 2-3 खराब पारियों के बाद ही बाहर कर गया। कैफ ने कहा, 'एक या दो खिलाड़ी अंतर पैदा करते हैं जिन्हें अवसरों के संदर्भ में विशेष अवसर दिये जाने चाहिये। शुभमन को देखिए, वह कितनी सारी पारियां पहले ही खेल चुके हैं?' उन्होंने आगे कहा, हम पिछले कुछ समय से इसके बारे में बात कर रहे हैं। अब आपको फैसला लेना होगा, समय आ गया है। भारतीय टीम सीरीज में अभी 2-1 से आगे है। भारतीय टीम को अगले साल से शुरू होने जा रहे टी20 विश्व कप से पहले अभी सात टी20 मैच खेलने हैं।

अभिज्ञान कुंडू के दोहरे शतक से भारतीय अंडर-19 टीम ने मलेशिया को 315 रन से हराया

-दीपेश ने 22 रन देकर पांच विकेट लिए

दुबई (एजेंसी)। अभिज्ञान कुंडू के रिकार्ड दोहरे शतक के बाद दीपेश देवेंद्रन की शानदार गेंदबाजी से भारतीय टीम ने अंडर-19 एशिया कप 2025 के मुकाबले में मलेशिया को 315 रन से हरा दिया। कुंडू ने 209 रन बनाये जबकि दीपेश देवेंद्रन ने 22 रन देकर पांच विकेट लिए। इससे भारतीय टीम ने मलेशिया को हराकर अंडर-19 एकदिवसीय क्रिकेट की सबसे बड़ी जीत हासिल की। भारतीय टीम ने इस मैच में 50 ओवर में 7 विकेट पर 408 रन बनाये। वहीं विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी मलेशियाई टीम भारतीय गेंदबाजी के सामने टिक नहीं पाई और 32.1 ओवर में 93 रन पर ही सिमट गयी।

दीपेश देवेंद्रन ने सात ओवर में 22 रन देकर पांच विकेट लिए। वहीं उधव मोहन ने दो विकेट लिए, जबकि किशन कुमार सिंह, खिलन पटेल और कनिष्क चौहान को एक-एक विकेट लिया।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत की शुरुआत साधारण रही, लेकिन इसके बाद कुंडू ने मैच दल दिया। ने जबरदस्त रफ्तार पकड़ी। वेदांत त्रिवेदी और अभिज्ञान कुंडू ने चौथे विकेट के लिए 209 रन की शानदार साझेदारी कर मलेशियाई गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। त्रिवेदी ने 90 रन बनाये जबकि कुंडू ने अंडर-19 का सबसे बड़ा स्कोर बनाया।

17 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज कुंडू ने 125 गेंदों में 17 चौकों और 9 छक्कों की मदद से 209 रन बनाए। उन्होंने सिर्फ 44 गेंदों में अर्धशतक और 80 गेंदों में शतक पूरा किया, जबकि 121 गेंदों में दोहरा शतक लगा दिया।

मोहाली गोलीबारी में घायल कबड्डी राणा बलाचौरिया की मौत

मोहाली। पंजाब के मोहाली शहर में कबड्डी टूर्नामेंट के दौरान हुई गोलीबारी में गंभीर रुप से घायल हुए खिलाड़ी राणा बलाचौरिया की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गयी है। राणा इस टूर्नामेंट के प्रमोटर भी थे। इस घटना से खेल जगत के साथ-साथ पूरे इलाके में शोक और आक्रोश है। मृतक खिलाड़ी की 10 दिन पहले ही में शादी हुई थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोहाना में कबड्डी का एक बड़ा टूर्नामेंट चल रहा था, इस कारण वहां दर्शकों की भारी भीड़ थी। टूर्नामेंट के आयोजक और प्रमोटर राणा बलाचौरिया भी मैदान के पास मौजूद थे। एक रिपोर्ट के अनुसार इसी दौरान बाइक और कार में सवार होकर आए कुछ बदमाश वहां पहुंचे। ये फोटो खींचने के नाम पर राणा के करीब पहुंचे और पास जाते ही अचानक गोलियां चला दीं। गोलीबारी की आवाज सुनते ही अफरा-तफरी मच गई। गोलियां लगने से गंभीर रूप से घायल हुए राणा को तत्काल ही करीब के अस्पताल पहुंचाया गया पर वह बचाये नहीं जा सके। इस प्रकार दिन दहाड़े हुई गोलीबारी से लोग सकते में हैं। अपराधियों की गोलीबारी से टूर्नामेंट में भगदड़ मच गयी थी। इस टूर्नामेंट में कई बड़ी पंजाबी सिंगरों के आने का भी कार्यक्रम था, लेकिन उनके पहुंचने से पहले ही यह घटना हो गई।, इसके बाद पूरा कार्यक्रम प्रभावित हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरु कर दी। पुलिस ने अपराधियों की तलाश के लिए कई टीमें गठिन कर दी हैं। हत्या के कारणों का अभी तक पता नहीं चला है। पिछले कुछ समय से खेल मुकाबलों में भी हमले के मामले बढ़ते जा रहे हैं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टेस्ट के लिए एजाज पटेल न्यूजीलैंड टीम में शामिल

-ब्लंडेल की भी हुई वापसी, मिच बाहर हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने स्पिनर एजाज पटेल को वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच के लिए शामिल किया है। एजाज के अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज टॉम ब्लंडेल की भी टीम में वापसी हुई है। एजाज को ब्लेयर टिकनर की जगह शामिल किया गया है। टिकनर कंधे की चोट के कारण टीम से बाहर हैं।

वहीं पहले टेस्ट से बाहर रहे अनुभवी विकेटकीपर टॉम ब्लंडेल को इस मैच में शामिल किया गया है। वह हैमस्ट्रिंग में चोट के कारण पिछले मैच से बाहर थे। इसी कारण दूसरे टेस्ट में मिच विकेटकीपर के तौर पर शामिल किये गये थे। मिच अब फिर से घरेलू क्रिकेट में लौटेंगे और कैंटरबरी की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलेंगे। एजाज नवंबर 2024 में टेस्ट मैच में प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे। भारत में खेली टेस्ट सीरीज जीत के एक ही मैच में उन्होंने दस विकेट लेकर कीवी टीम को जीत दिलायी थी। फरवरी 2020 के बाद वह पहली बार घरेलू टेस्ट खेलेंगे।

न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा, एजाज ऐसा खिलाड़ी है, जिस पर हम भरोसा करते हैं। बे ओवल की पिच आमतौर पर न्यूजीलैंड की दूसरी पिचों के मुकाबले ज्यादा टर्न लेती है और जिस तरह से वह गेंद को राइट-हैंडर से दूर घुमाता है, वह बहुत अच्छा है। तीसरे टेस्ट में एक और स्पिनर को शामिल करने से हमारे गेंदबाजी आक्रमण में भी विविधता आएगी, साथ ही हमारे सीमर्स भी हैं जिन्होंने इस सीरीज में अब तक बहुत अच्छा काम किया है। वहीं टीम में कोई और बदलाव नहीं किया गया है। सिर्फ एजाज पटेल और टॉम ब्लंडेल को जोड़ा गया है, जबकि मिच को बाहर कर दिया गया है। न्यूजीलैंड अभी सीरीज में 1-0 से आगे है। पहला टेस्ट रोमांचक ड्रॉ पर खत्म हुआ था। आखिरी टेस्ट 18 दिसंबर से माउंट माउंगानुई के बे ओवल में खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड की टेस्ट टीम अब इस प्रकार है

टॉम लैथम (कप्तान), टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), माइकल ब्रेसवेल, क्रिस्टियन क्लार्क, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, जैक फॉक्स, डेरिल मिशेल, एजाज पटेल, ग्लेन फिलिप्स, माइकल रे, रचिन रवींद्र, केन विलियमसन और विल यंग

श्रीलंकाई टीम के पूर्व कप्तान अर्जुन रणतुंगा की गिरफ्तारी के आदेश जारी हुए

मंत्री रहते सरकारी तेल कंपनी को पहुंचाया नुकसान

कोलंबो। विश्वकप विजेता श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और पेट्रोलियम संसाधन विकास मंत्री रहे अर्जुन रणतुंगा की गिरफ्तारी के आदेश जारी हुए हैं। यहां की एक अदालत ने खेल से राजनीति में आये रणतुंगा का नाम भ्रष्टाचार के मामले में आने के कारण ये आदेश दिये हैं। इसी कारण उनके विदेश जाने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। रणतुंगा पर सरकारी तेल कंपनी को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचाने के आरोप हैं। वहीं रिश्वत और भ्रष्टाचार रोधी जांच एजेंसी ने कहा है कि रणतुंगा को गिरफ्तार कर पेश करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। श्रीलंका की भ्रष्टाचार या रिश्वत के आरोपों की जांच करने वाले आयोग (सीआईएबोक) ने मुख्य मजिस्ट्रेट न्यायालय को बताया कि रणतुंगा के मंत्री रहते सीलोन पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (सीपीसी) में ईंधन खरीद से जुड़े फैसलों के कारण लगभग 800 मिलियन श्रीलंकाई रुपये का कथित नुकसान हुआ। यह नुकसान इसीलिए क्योंकि दीर्घकालिक ईंधन टेंडर रद्द कर महंगे दामों पर स्पॉट टेंडर लागू किए गए। आयोग की ओर से पेश हुईं सहायक निदेशक (कानूनी) अनुषा सम्मंथप्पेरुमा ने अदालत को बताया कि वर्ष 2017-2018 के लिए प्रस्तावित तीन दीर्घकालिक ईंधन आपूर्ति टेंडर रद्द किए गए थे। इसके बाद लिए गए फैसलों के कारण निगम को गंभीर आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। इसी आधार पर सीपीसी के पूर्व चेयरमैन धम्मिका रणतुंगा को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया है।

विराट-अनुष्का की वृंदावन यात्रा : प्रेमानंद जी महाराज के किए दर्शन, मिली जीवन की बड़ी सीख

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के सबसे बड़े नामों में शुमार विराट कोहली सिर्फ मैदान पर ही नहीं, बल्कि निजी जीवन में भी गहरी सोच और आध्यात्मिक जुड़ाव के लिए जाने जाते हैं। अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ उनकी हालिया वृंदावन यात्रा ने एक बार फिर यह दिखाया कि सफलता के शिखर पर पहुंचने के बाद भी वे आंतरिक शांति और मार्गदर्शन को कितना महत्व देते हैं। श्री हित राधा केली कुंज आश्रम में प्रेमानंद जी महाराज से हुई यह मुलाकात न सिर्फ आध्यात्मिक रही, बल्कि जीवन, सेवा और कर्म को देखने के नजरिए पर भी केंद्रित थी।

वृंदावन में तीसरी बार पहुंचे कोहली और अनुष्का

विराट कोहली और अनुष्का शर्मा का वृंदावन से खास जुड़ाव रहा है। यह जोड़ा नियमित रूप से यहां आता रहा है और साल 2025 में यह उनकी तीसरी यात्रा मानी जा रही है। इससे पहले जनवरी में वे अपने बच्चों के साथ आश्रम पहुंचे थे, जबकि मई में उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के ठीक एक दिन बाद वृंदावन का रुख किया था। हर बार की तरह इस बार भी दोनों ने सादगी और श्रद्धा के साथ समय बिताया।

प्रेमानंद जी महाराज की सीख- सेवा और विनम्रताआश्रम में हुई बातचीत के दौरान प्रेमानंद जी महाराज ने जीवन को सेवा के रूप में देखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अपने काम को केवल पेशा नहीं, बल्कि सेवा समझना चाहिए। साथ ही, गंभीरता, विनम्रता और ईश्वर के नाम का स्मरण जीवन को संतुलित बनाता है। महाराज जी ने यह भी समझाया कि ईश्वर के दर्शन की गहरी चाह मन में होनी चाहिए, वही इंसान को सांसारिक मोह से ऊपर उठाती है।

भावुक अनुष्का, सहमति में विराट

इस आध्यात्मिक संवाद के दौरान अनुष्का शर्मा काफी भावुक नजर आईं और पूरे ध्यान से महाराज जी की बातें सुनती रहीं। विराट कोहली भी हर सीख पर सहमति जताते दिखे। महाराज जी ने आगे कहा कि जब इंसान यह मान ले कि संसार के सुख उसे मिल चुके हैं और अब केवल ईश्वर की इच्छा शेष है, तब सच्चा आनंद उनके चरणों में मिलता है। इस पर अनुष्का ने विनम्रता से कहा, ÷हम आपके हैं, महाराज जी,÷ जिसके जवाब में उन्होंने सभी को ईश्वर का संतान बताया।

आध्यात्म के साथ मैदान पर भी फोकस

टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद विराट कोहली फिलहाल वनडे क्रिकेट में सक्रिय हैं और उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरुआती असफलताओं के बाद उन्होंने नाबाद 74 रन की अहम पारी खेली और टीम को आसान जीत दिलाई। इसके बाद लगातार दो वनडे शतक और तीसरे मैच में नाबाद 65 रन बनाकर उन्होंने सीरीज जीत में अहम

भूमिका निभाई।

विराट कोहली का नया संतुलन

विराट कोहली की यह यात्रा साफ दिखाती है कि वे अब क्रिकेट और आध्यात्म के बीच संतुलन बनाकर चल रहे हैं। मैदान पर आक्रामकता और आश्रम में शांति यही संतुलन शायद उनके करियर के इस नए अध्याय की सबसे बड़ी ताकत है।

एक्ट्रेस निवेथा पेथुराज ने सगाई बाद तोड़ी शादी?

तस्वीरें डिलीट, मंगेतर को भी किया अनफॉलो!

साउथ फिल्मों की एक्ट्रेस निवेथा पेथुराज को लेकर एक खबर आई है, जो चौंकाने वाली है। कहा जा रहा है कि एक्ट्रेस ने सगाई के तीन महीने बाद ही रिश्ता खत्म कर दिया है। उन्होंने अपनी सगाई और शादी तोड़ दी है। निवेथा पेथुराज करीब दो साल से फिल्मी पर्दे से दूर थीं, और नवंबर में ही उन्होंने सोशल मीडिया पर वापसी करते हुए सगाई का ऐलान किया था। आखिर ऐसा क्या हुआ है जो निवेथा पेथुराज की सगाई और शादी टूटने की खबरें आने लगी हैं?

दरअसल, निवेथा पेथुराज ने अपनी सगाई की तस्वीरें हटा दी हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी एक भी तस्वीर नहीं है। द हंस इंडिया के मुताबिक, यह भी कहा जा रहा है कि निवेथा और उनके मंगेतर रजित ने एक-दूसरे को अनफॉलो भी कर दिया है। तस्वीरें भी डिलीट कर दी हैं। हालांकि, अभी यह क्लियर नहीं है कि वाकई दोनों ने तस्वीरें डिलीट की हैं या फिर कोई टेक्निकल ग्लिच है।

पलाश और स्मृति मंधाना की टूटी सगाई से हो रही तुलना?

इस रिपोर्ट में कहा गया है कि निवेथा के फैंस अब उनकी टूटी सगाई की खबरों की क्रिकेटर स्मृति मंधाना और पलाश मुच्छल की टूटी सगाई और शादी से तुलना कर रहे हैं। स्मृति और पलाश ने भी अपनी सगाई की तस्वीरें डिलीट कर दी थीं और बाद में कन्फर्म किया था कि उनकी शादी टूट गई है। हालांकि, निवेथा ने अभी तक इस मामले पर पूरी तरह चुप्पी साध रखी है और कोई बयान नहीं दिया है। इस बीच, फैंस सोच रहे हैं कि क्या वह जल्द ही फिल्मों में वापसी करेंगी या निजी कारणों से फिर से ब्रेक लेंगी। फिलहाल तो निवेथा के जवाब का इंतजार है।

निवेथा पेथुराज का करियर

निवेथा पेथुराज के करियर की बात करें, तो उन्होंने साल 2016 में तमिल एक्टर वीआर दिनेश स्टारर ओरु नाल कूथु से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने तेलुगू सिनेमा में एंट्री की और जयम रवि से लेकर विजय सेतुपति और प्रभु देवा तक के साथ काम किया।

धुरंधर और किस किसको प्यार करूं 2 में काम करने पर बोलीं आयशा खान

आयशा खान एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में लगातार अपनी जगह बना रही हैं। 2025 उनके लिए काफी अच्छा रहा है। आयशा सबसे पहले बिग बॉस 17 में वाइल्डकार्ड एंट्री के तौर पर सुर्खियों में आई थीं। तब से उन्होंने टेलीविजन, रीजनल सिनेमा, रियलिटी शो और म्यूजिक वीडियो में अपने काम का दायरा बढ़ाया है। धुरंधर और किस किसको प्यार करूं 2 में अपनी हालिया अपीयरेंस के साथ, उन्होंने मेनस्ट्रीम हिंदी सिनेमा में कदम रखा है।

धुरंधर और किस किसको प्यार करूं 2 में नजर आईं आयशा

बालवीर रिटर्न्स, तेलुगु फिल्म प्रोजेक्ट्स और टीवी शो दिल को रफू कर ले में अपनी अदाकारी के लिए तारीफ बटोर चुकीं आयशा ने हाल ही में धुरंधर में एक स्पेशल डांस परफॉर्मेंस से सबका ध्यान खींचा है। गाने में आयशा की स्क्रीन प्रेजेंस की भी तारीफ हो रही है। किस किसको प्यार करूं 2 की कास्ट में भी वह शामिल हैं। इसमें उन्होंने कपिल शर्मा के साथ स्क्रीन शेयर की है।

चीजें धीरे-धीरे पूरी हो रही हैं

टीवी से लेकर फिल्मों तक के सफर के बारे में बात करते हुए आयशा कहती हैं पिछले कुछ हफ्ते मेरे लिए बहुत खास रहे हैं। धुरंधर और किस किसको प्यार करूं 2 का हिस्सा बनकर ऐसा लग रहा है जैसे मैंने जिस चीज के लिए मेहनत की थी, वह धीरे-धीरे पूरी हो रही है। इसने इस बात को पक्का कर दिया है कि मुझे सेट पर रहना और अपना काम करना पसंद है।

आयशा ने की आदित्य धर की तारीफ

वह आगे कहती हैं, आदित्य सर के साथ काम करना सीखने का बहुत अच्छा अनुभव था। उनका तरीका मुझे ज्यादा जागरूक और प्रेरित करने वाला लगा। विजय गांगुली सर (मशहूर कोरियोग्राफर) ने मेरे सफर को आरामदायक बनाया और हर कदम पर मुझे गाइड किया। मैं उन सभी की शुक्रगुजार हूं जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया।

किस किसको प्यार करूं 2 से पारुल गुलाटी का बॉलीवुड डेब्यू

कॉमेडी किंग कपिल शर्मा की फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म में कपिल के साथ आयशा खान, पारुल गुलाटी, त्रिधा चौधरी, हीरा वरीना और मनजोत सिंह भी हैं। फिल्म रिलीज होने पर पारुल गुलाटी ने अपनी खुशी जाहिर की।

अभिनेत्री का कहना है कि यह फिल्म उनके लिए खास है। उनकी पहली फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक इमोशनल वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने 15 साल के लंबे सफर की कहानी सुनाई। पारुल ने बताया कि उनकी मां हमेशा हौसला देती थी और कहती थीं कि तेरी किस्मत का कोई नहीं छीन सकता। अगर ऊपर वाले की मेहर होगी, तो तुझे वो भी मिल जाएगा, जो तेरी नहीं है। पारुल ने अपने सफर को याद करते हुए कहा, मैंने अपने करियर की शुरुआत टेलीविजन से की थी। उसके बाद वेब सीरीज की, पंजाबी फिल्में भी की, लेकिन वो भी ज्यादा नहीं चली। फिर मैंने जाकर बिजनेस शुरू किया। कई बार लगा शायद एक्टिंग मेरे लिए नहीं है, लेकिन इस बीच मुझे कभी एक्टिंग छोड़ने का ख्याल नहीं आया, क्योंकि एक्टिंग मेरे लिए एक शादी की तरह है और बिजनेस मेरा बच्चा है। अभिनेत्री ने बताया कि जब-जब उन्हें रिजेक्शन मिलते थे, तो उनके मन में सवाल उठता था कि कहीं मेरे में तो कमी नहीं है। लेकिन, मां समझाती थीं, निशु, तुम्हारे लिए इससे बेहतर कुछ लिखा है।

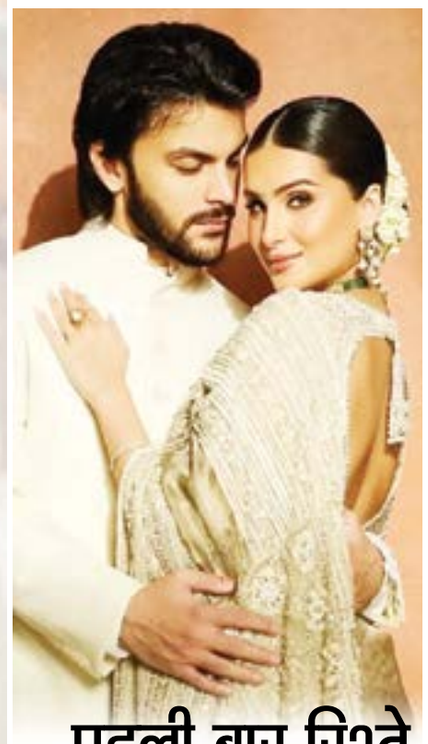

पहली बार रिश्ते पर खुलकर बोले वीर पहाड़िया और तारा सुतारिया

अभिनेत्री तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया पिछले काफी समय से एक दूसरे के साथ रिलेशनशिप को लेकर सुर्खियों में हैं। सोशल मीडिया पर साथ बिताए पलों की झलक और तारा के फैशन इवेंट्स में वीर की मौजूदगी ने पहले ही कयासों को हवा दे दी थी, लेकिन दिवाली पर दोनों के फोटोशूट ने काफी हद तक रिश्ते पर मुहर लगा दी। अब तारा और वीर ने पहली बार किसी इंटरव्यू में खुलकर एक दूसरे के साथ रिलेशनशिप पर खुलकर बात की है।

दोनों ने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए बताया कि उनका रिश्ता पहले दिन से ही ईमानदारी से शुरू हुआ है। वीर के मुताबिक, पहली ही डेट से दोनों ने अपने जज्बातों को छुपाने की कोशिश नहीं की और जहां भी रहे, जैसे थे वैसे ही रहे।

पहली डेट का जिक्र करते हुए वीर ने एक बेहद खास पल साझा किया। उन्होंने बताया कि वो शाम उनके लिए यादगार बन गई जब उन्होंने पियानो बजाया और तारा ने गाना गाया। साथ बिताया गया वह समय उनके लिए रिश्ते की पहली मजबूत नींव साबित हुआ। वहीं तारा का मानना है कि किसी एक पल ने नहीं, बल्कि वक्त के साथ एक-दूसरे का साथ निभाने ने उनके रिश्ते को खास बनाया। उनके शब्दों में, मुश्किल और अच्छे दोनों दौर में साथ खड़े रहना ही उनके कनेक्शन की असली पहचान है।

दोनों का वर्कफंट

काम की बात करें तो वीर इस साल की शुरुआत में फिल्म स्काईफोर्स में नजर आए थे। वहीं तारा पिछले काफी समय से पर्दे से दूर हैं। उनकी आखिरी फिल्म साल 2023 में आई अपूर्वा थी, जो कि ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई थी।

आदित्य धर बेहद टैलेंटेड, काबिल और दिल के सच्चे नेक इंसान हैं

फिल्म 'धुरंधर' की एक्ट्रेस सारा अर्जुन ने अपनी फिल्म के डायरेक्टर आदित्य धर के लिए सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ ही सारा ने आदित्य को असली धुरंधर बताया है।

सारा अर्जुन ने इंस्टाग्राम पर आदित्य के साथ अपनी एक फोटो शेयर की और लिखा कि आदित्य ने उनकी पहली बड़ी हिंदी फिल्म में उनका पूरा साथ दिया और उन्हें सबसे अनमोल तोहफा दिया। सारा ने उन्हें सोने जैसा दिल और भरोसा करने का हिम्मती इंसान बताया और कहा कि वे सचमुच धुरंधर हैं। उन्होंने लिखा कि आदित्य बेहद टैलेंटेड हैं, लेकिन घमंड बिल्कुल नहीं करते और बहुत काबिल हैं और दिल के सच्चे और नेक इंसान हैं। सारा ने बताया कि आदित्य ने सेट पर इतना प्यारा और सुरक्षित माहौल बनाया कि वे बेझिझक बड़े-बड़े सपने देख सकीं। उन्होंने कभी आवाज नहीं चढ़ाई, हमेशा शांत रहकर सबको जोड़े रखा। सारा ने लिखा, आप तूफान से पहले की खामोशी नहीं, आप वो खामोशी हैं जिसने तूफान पैदा किया।

खुद को लकी मानती हैं सारा

सारा ने यह भी बताया कि आदित्य ने उन्हें कभी छोटा महसूस नहीं होने दिया। हमेशा ऐसा लगा जैसे वे पूरी तरह सक्षम हैं। उन्होंने सारा को अपनी महत्वाकांक्षाओं को बड़ा करने और अपनी अंतरात्मा पर भरोसा करने की हिम्मत दी। सारा ने लिखा कि वे खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हैं कि उन्हें इतने अच्छे इंसान का साथ और मार्गदर्शन मिला। यह पहली फिल्म उनके लिए सिर्फ यादगार नहीं, बल्कि जिंदगी बदल देने वाला अनुभव बन गई।

आदित्य धर का जवाब

सारा की पोस्ट पर आदित्य धर ने जवाब देते हुए लिखा, वाह सारा, तुम्हारा यह मैसेज पढ़कर मैं बहुत इमोशनल हो गया। मुझ पर आंख बंद करके भरोसा करने और धुरंधर को अपना सबकुछ देने के लिए शुक्रिया। पार्ट-2 में दुनिया तुम्हारी असली प्रतिभा देखेगी, इसका बेसब्री से इंतजार है। तुममें इस इंडस्ट्री की सबसे बेहतरीन एक्ट्रेस में से एक बनने की पूरी काबिलियत है।

...तो मैं आज इस मुकाम पर नहीं पहुंच पाती

प्रियंका चोपड़ा ने अपने करियर के शुरुआत वाला दौर याद किया। प्रियंका अब कपिल शर्मा शो में नजर आनेवाली हैं। उन्होंने हाल ही में एक समिट में अपी कहानी सुनाते हुए कहा- लोगों को लगा कि मेरा समय खराब चल रहा है। उन्होंने कहा, ऐसा नहीं था कि मुझे अवसर दिए गए बल्कि अवसर मुझसे छीन लिए गए। इसलिए मुझे अपना रास्ता बदलना पड़ा। एक साल ऐसा भी था जब मेरी छह फिल्में लगातार फ्लॉप हो गईं।

प्रियंका चोपड़ा बैक टु बैक फ्लॉप

प्रियंका चोपड़ा ने साउथ और बॉलीवुड फिल्मों से अपनी शुरुआत की लेकिन आज वो हॉलीवुड की दुनिया में बड़ा नाम हैं। प्रियंका चोपड़ा जल्द ही कपिल शर्मा के शो पर नजर आनेवाली हैं। इस शो पर वो एसएस राजामौली की फिल्म वाराणसी का प्रमोशन करेगी, जिसके लिए वो मुंबई लौटी हैं। इस बीच हाल ही में उन्होंने अबू धाबी में आयोजित ब्रिज समिट में भाग लिया, जहां उन्होंने बताया कि अपने करियर के शुरुआती दौर में लगातार फ्लॉप फिल्में देने के बाद कैसे उनसे मौके छीन लिए गए।

जब मेरी लगातार छह फिल्में फ्लॉप हो गई

प्रियंका ने कहा कि जब उन्होंने 25 साल पहले फिल्मों में काम करना शुरू किया था, तब उनको गाइड करने वाला कोई नहीं था। उन्होंने कहा, जब मैंने मुंबई में कदम रखा तो मेरी राह आसान नहीं थी। मुझे यहां टिके रहने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ी, लेकिन मेरा स्वभाव ऐसा है कि मैं जो भी काम अपने हाथों में लेती हूं, उसमें अपना 100 प्रतिशत देती हूं, वरना मैं उसे कभी पूरा नहीं कर पाऊंगी। एक समय ऐसा भी आया, जब मेरी लगातार छह फिल्में फ्लॉप हो गईं और मुझे एहसास हुआ कि मुझे कुछ अलग करना होगा।

लोगों को लगा कि मेरा समय खराब चल रहा है

प्रियंका ने कहा, इसके बाद मुझे फिल्म फैशन में काम करने का ऑफर मिला, जिसमें दो लीड हीरोइनें थीं। लोगों को लगा कि मेरा समय खराब चल रहा है, तभी मैं एक वुमन बेस्ड फिल्म कर रही हूं, लेकिन बाकी सब इतिहास बन गया क्योंकि मैंने उसमें अपना बेस्ट दिया। इसी तरह, जब मैंने हॉलीवुड के बारे में सोचा तो मैंने अपना बेस्ट दिया। 'मिस वर्ल्ड' रह चुकीं प्रियंका ने कहा कि ऐसा नहीं है कि अवसर खुद-बखुद चलकर उनके दरवाजे पर आए, बल्कि कई मौकों पर अच्छे अवसर उनसे छीन लिए गए। प्रियंका ने कहा, मुझे खुद के लिए मौके बनाने पड़े। मुझे लीक से हटकर फिल्में और रोल हासिल करने के लिए लगातार स्ट्रगल करना पड़ा। फिल्म इंडस्ट्री में शायद हर महिला की यही कहानी है। उन्होंने कहा, ऐसा नहीं था कि मुझे अवसर दिए गए बल्कि अवसर मुझसे छीन लिए गए। इसलिए मुझे अपना रास्ता बदलना पड़ा। एक वक्त ऐसा भी था जब मेरी छह फिल्में लगातार फ्लॉप हो गईं। तब ऐसा लग रहा था जैसे- हे भगवान, हमें प्रियंका को फिल्म में नहीं लेना चाहिए क्योंकि फिल्म अच्छा परफॉर्म नहीं करेगी। इसलिए, खोने के डर से, मुझे अपने कम्फर्टवाले काम को छोड़कर कुछ नया करने की कोशिश करनी पड़ी। मुझे अवसर खुद बनाने पड़े। मेरे ये बदलाव कभी मेरी पसंद से नहीं थे बल्कि ये अस्तित्व के लिए बहुत ज़रूरी थे।

प्रियंका कहती हैं, मैंने करियर के लिए बहुत त्याग किया, परिवार के साथ समय बिताने और त्योहार मनाने का मौका गंवाया। लेकिन हर चीज का एक समय होता है। उस समय मुझे काम पर ध्यान देने और त्याग करने की जरूरत थी। अगर मैंने ऐसा नहीं किया होता तो मैं आज इस मुकाम पर नहीं पहुंच पाती, जहां मैं फिल्में ठुकराने का फैसला ले सकती हूं। मैं इसका श्रेय शुरुआती दौर में की गई कड़ी मेहनत और त्याग को देती हूं।

बॉर्न हंग्री जैसी और खूबसूरत कहानियों पर काम करना चाहती हैं

प्रियंका ने आगे कहा कि वे ऐसे प्रोजेक्ट्स में काम करना चाहती हैं जिनके किरदार या फिल्म संस्कृति से जुड़े हों और लोगों को उनसे प्रेरणा मिले। अपनी खुद की फिल्म प्रोडक्शन कंपनी पर्पल पेबल पिक्चर्स पर बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि वे बॉर्न हंग्री जैसी और खूबसूरत कहानियों पर काम करना चाहती हैं। एक्ट्रेस निर्देशक बैरी एवरिच के साथ मिलकर और प्रोजेक्ट्स भी करना चाहती हैं। वे उनके काम करने के तरीके से बहुत प्रभावित हैं। बता दें कि बॉर्न हंग्री डॉक्यूमेंट्री एक्ट्रेस के पर्पल पेबल पिक्चर्स के बैनर तले बनी है। डॉक्यूमेंट्री बीते साल 2024 में रिलीज हुई थी और डॉक्यूमेंट्री को ग्लोबल लेवल पर अच्छा रिस्पांस मिला था।

दमण में द्वितीय खेलो इंडिया बीच गेम्स 2026 में खिलाड़ियों के चयन हेतु संघ स्तरीय सेलेक्शन ट्रायल्स का होगा आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 16 दिसंबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण एवं दीव प्रशासन द्वारा भारतीय खेल प्राधिकरण के सहयोग से द्वितीय खेलो इंडिया बीच गेम्स-2026 का आयोजन घोघला बीच दीव में 05 से 10 जनवरी 2026 तक किया जाएगा। इसी संदर्भ में संघ प्रदेश के दमण में द्वितीय खेलो इंडिया बीच गेम्स 2026 में खिलाड़ियों के चयन हेतु संघ स्तरीय सेलेक्शन ट्रायल्स का आयोजन 22 दिसंबर 2025 को सुबह 8:00 बजे लाइट हाउस बीच मोटी दमण में किया जा रहा है। इस सेलेक्शन ट्रायल्स में कुल आठ खेलों - बीच कबड्डी, बीच वॉलीबॉल, बीच सॉकर, बीच सेपेकटेक्रॉ, ओपन वॉटर स्विमिंग, बीच पेंचक सिलाट, बीच मल्लखंभ एवं बीच टग ऑफ वॉर आयोजित किए जाएंगे। द्वितीय खेलो इंडिया बीच गेम्स 2026 में संघ शासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव की सर्वश्रेष्ठ टीम/ खिलाड़ियों की सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु युवा कार्यक्रम एवं खेल विभाग द्वारा उपरोक्त खेल विधाओं के लिए सेलेक्शन ट्रायल्स का आयोजन किया जा रहा है। अतः संघ प्रदेश के सभी योग्य खिलाड़ियों, विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं खेल संस्थाओं से अपील की जाती है कि वे भाग लेकर चयन ट्रायल्स में सहभागिता सुनिश्चित करें, जिससे प्रदेश का प्रतिनिधित्व सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों द्वारा किया जा सके। किसी भी प्रकार की जानकारी/ स्पष्टीकरण हेतु मोबाइल नंबरः 7698380585 (देवराज सिंह राठौड़, तालुका खेल संयोजक, दमण) पर संपर्क करें।

ग्राम पंचायत विकास योजना अंतर्गत गतिविधियों में आपदा जोखिम न्यूनीकरण का एकीकरण विषय पर वेबिनार का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 16 दिसंबर। ग्राम पंचायत विकास योजना के अंतर्गत गतिविधियों में आपदा जोखिम न्यूनीकरण का एकीकरण विषय पर एक वेबिनार का आयोजन 16 दिसंबर 2025 को सुबह 10:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक किया गया। इस वेबिनार का संयुक्त आयोजन राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, गृह मंत्रालय तथा केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन दादरा नगर हवेली और दमण-दीव द्वारा किया गया। इस वेबिनार में दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के तीनों जिलों की सभी पंचायतों के निर्वाचित प्रतिनिधियों एवं पंचायत अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में 400 से अधिक नव-निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की सहभागिता रही, जो ग्राम स्तर पर आपदा सहनशीलता को सुदृढ़ करने की दिशा में मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वेबिनार का उद्देश्य पंचायत स्तर के कार्यकर्ताओं को आपदा प्रबंधन की मूलभूत जानकारी, संस्थागत आपदा प्रबंधन ढांचे तथा ग्राम पंचायत विकास योजना के अंतर्गत योजनाओं एवं गतिविधियों में आपदा जोखिम न्यूनीकरण को शामिल करने के प्रति उन्मुख करना था, जिससे जमीनी स्तर पर तैयारी एवं आपदा सहनशीलता को बढ़ावा दिया जा सके। यह कार्यक्रम माननीय प्रधानमंत्री के आपदा जोखिम न्यूनीकरण संबंधी 10-सूत्रीय एजेंडा के अनुरूप है, जिसमें विकास के सभी क्षेत्रों में आपदा जोखिम प्रबंधन को शामिल करने तथा स्थानीय क्षमताओं को सशक्त बनाने पर बल दिया गया है। यह पहल केंद्रीय गृह मंत्री के आपदा-सहनीय ग्रामों के निर्माण के दृष्टिकोण को सुदृढ़ करती है तथा दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासक की उस प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करती है, जिसके अंतर्गत केंद्र शासित प्रदेश में विकास गतिविधियों को सतत एवं आपदा-सहनीय बनाया जा रहा है।

निफ्ट 2026 के लिए एडमिशन शुरू, संघ प्रदेश के स्टूडेंट्स के लिए डोमिसाइल फायदा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 16 दिसंबर। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (निफ्ट) जो फैशन, मैनेजमेंट और टेक्नोलॉजी के लिए देश का सबसे बड़ा इंस्टिट्यूशन है, ने 2026 एकेडमिक सेशन के लिए अपना एडमिशन पोर्टल खोल दिया है। कैंडिडेट अब सभी अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम के लिए ऑनलाइन अप्लाई कर सकते हैं, एप्लीकेशन जमा करने की आखिरी तारीख 6 जनवरी 2026 है। निफ्ट दमण जो निफ्ट के 18वें कैंपस के तौर पर बना है, केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली और दमण-दीव के लिए एक अहम हायर-एजुकेशन इंस्टिट्यूशन है। 2026 के लिए निफ्ट दमण अपने मौजूदा चार साल के B.Des इन टेक्सटाइल डिजाइन और दो साल के मास्टर ऑफ फैशन मैनेजमेंट (एमएफएम) प्रोग्राम के अलावा चार साल का बैचलर ऑफ फैशन डिजाइन (B.Des) प्रोग्राम भी ऑफर करेगा। ये प्रोग्राम स्टूडेंट्स को फैशन और अपैरल वैल्यू चेन में लीडरशिप रोल के लिए तैयार करने के लिए क्रिएटिव डिज़ाइन, टेक्नोलॉजी और बिजनेस मैनेजमेंट को मिलाते हैं। केंद्र शासित प्रदेश के स्टूडेंट्स को निफ्ट दमण में डोमिसाइल-रिजर्वेशन का फ़ायदा मिलता है, जिससे लोकल कैंडिडेट्स को एडमिशन पाने में काफी फायदा होता है। केंद्र शासित प्रदेश एडमिनिस्ट्रेशन और एडमिनिस्ट्रेटर प्रफुल पटेल ने इस नेशनल इंस्टीट्यूट को दमण लाने और लोकल युवाओं के लिए बेहतरीन डिजाइन एजुकेशन तक पहुँच को मज़बूत करने में अहम भूमिका निभाई है। पिछले तीन सालों में दादरा, दुधनी, सिलवासा और दमण के स्कूलों के बहुत सारे स्टूडेंट्स ने सफलतापूर्वक निफ्ट दमण जॉइन किया है। जबकि दादरा और नगर हवेली और दमण और दीव के डोमिसाइल एमएफएम ग्रेजुएट अब भारत और विदेश की जानी-मानी फैशन और कपडों की कंपनियों में अच्छी जगह पर हैं। निफ्ट दमण केंद्र शासित प्रदेश और आस-पास के इलाकों के एलिजिबल स्टूडेंट्स को इस मौके का फ़ायदा उठाने और 2026 के एडमिशन साइकिल के लिए जल्दी अप्लाई करने के लिए बढ़ावा देता है। एलिजिबिलिटी, प्रोग्राम और एप्लीकेशन प्रोसेस के बारे में पूरी जानकारी ऑफिशियल निफ्ट एडमिशन वेबसाइट पर उपलब्ध है। पात्रता, कार्यक्रमों और आवेदन प्रक्रिया से जुड़ी विस्तृत जानकारी निफ्ट की आधिकारिक प्रवेश वेबसाइट पर उपलब्ध है तथा अधिक जानकारी के लिए 9995876421 पर संपर्क किया जा सकता है।

सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रखोली में कुपोषण निवारण सेमिनार का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 16 दिसंबर। सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (गुजराती माध्यम) रखोली में केईआई इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा पोषण और आरोग्य शिक्षा का सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ में विद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रार्थना और स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। इसके बाद इंडियन काउन्सिल फॉर चाइल्ड फेल्फेर के सेक्टेरी एम. वी परमार ने पोषण तत्वों के बारे में तथा कुपोषण दूर करने के लिए योग्य संतुलित भोजन और किफायती सरल पोषण आहार की जानकारी दी। इसके बाद केईआई इंडस्ट्रीज लिमिटेड के दिलीपकुमार बरनवाल, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट के. बी. शर्मा, मैनेजर एचआर एंड एडमिन) द्वारा पौष्टिक फूड पैकेट का वितरण किया गया। इस दौरान कुपोषण निवारण की प्रतियोगिता आयोजित की गई। विजेता बच्चों को पुरस्कार प्रदान किया गया। इसके बाद अदिति पटेल आचार्य सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (गुजराती माध्यम) रखोली ने आहार और विहार के बारे में जानकारी दी। के. सी. बारिया और पिंकी पटेल एवं हिरल गज्जर द्वारा इस प्रोग्राम का बेहतरीन संचालन और मेहमान का धन्यवाद किया गया।

दीव के सेवानिवृत्त आचार्य एवं लेखक रमेशचंद्र रावल ने अनोखे तरीके से मनाया

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 16 दिसंबर। सेवानिवृत्त आचार्य और सिंह के साथी लेखक रमेश चंद्र रावल ने अपना 77वां जन्मदिन अनोखे ढंग से मनाया। रमेशचंद्र रावल ने अपने 77वें जन्मदिन पर यज्ञ का आयोजन किया। शाम 5 बजे दीव कलेक्टर राहुल देव बुरा की मौजूदगी में दीव प्रणामी मंदिर में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीव कलेक्टर ने प्रणामी मंदिर में दीप जलाकर और भगवान से आशीर्वाद लेकर की। इसके बाद कार्यक्रम में मौजूद दीव कलेक्टर राहुल देव बुरा का स्वागत किया गया। रमेश चंद्र रावल के 77वें जन्मदिन के अवसर पर उनके 77 किलो वजन के मुकाबले 77 किलो किताब को एक बुकशेल्फ में तौला गया और मंदिर में एक लाइब्रेरी बनाई गई। कार्यक्रम के दौरान मौजूद गणमान्य लोगों ने रमेशचंद्र रावल का फूल-मालाओं से स्वागत किया और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर दीव कलेक्टर ने रमेशचंद्र रावल को स्वस्थ और तंदुरुस्त तथा उनकी लंबी आयु के लिए कामना की और कहा कि उनके जीवन में ज्ञान का भंडार है जो वे हमेशा लोगों को देते रहते हैं। कार्यक्रम में मौजूद गणमान्य लोगों ने भी रमेश चंद्र रावल को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनके जीवन के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान कविदास द्वारा लिखी गई किताब वन वनराज ना वहाला रमेश रावल का विमोचन किया गया। कविदास ने 33 हजार कविताओं की रचना की है और सबसे ज्यादा कविताएं लिखने के लिए उनका नाम वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी दर्ज है। कार्यक्रम में रमेश चंद्र रावल ने अपने भाषण में लोगों को सिंह की गर्जना सुनाई और सिंह के प्रति अपने समर्पण और अपार प्रेम के बारे में बताया। लिखी गई किताबों के बारे में बताया गया, पूरे कार्यक्रम का संचालन जमनादास घेड़िया ने किया। धन्यवाद ज्ञापन प्रणामी मंदिर के महंत 108 स्वामी प्रकाशानंदजी महाराज ने किया। यह कार्यक्रम जायंट्स ग्रुप ऑफ़ दीव, श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर दीव, नागरिक समिति दीव, वैदिक चैरिटेबल ट्रस्ट और श्री समस्त ब्रह्म समाज दीव और ऊना के सहयोग से सफल रहा। इस कार्यक्रम में उपस्थित ऊना के पूर्व तालुका पंचायत प्रेसिडेंट रामभाई वाला, स्वामीनारायण ऊना के डायरेक्टर नरेंद्र गोस्वामी, शिक्षक एवं लेखक डी.के. वाजा, ऊना ब्रह्म समाज के प्रेसिडेंट विजय जोशी, महंत श्री 108 स्वामी प्रकाशानंदजी ने रमेशचंद्र रावल को जन्म दिन की बधाई दी।

प. पू. श्रीमद् विजय प्रबोधचंद्र सुरेश्वरजी महाराज के आगमन को लेकर दादरा में भव्य तैयारियां, समाज में उत्साह

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 16 दिसंबर। जैन समाज के परम श्रद्धेय, जीव-दया, करुणा और अहिंसा के महान उपासक 93 वर्ष की दिव्य आयु वाले प. पू. श्रीमद् विजय प्रबोधचंद्र सुरेश्वरजी महाराज के पावन आगमन को लेकर दादरा क्षेत्र में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का वातावरण व्याप्त है। प. पू. श्रीमद् विजय प्रबोधचंद्र सुरेश्वरजी महाराज 21 दिसंबर को सूरत से वापी होते हुए दादरा पधारेंगे। गुरुवर के आगमन के पश्चात 22 दिसंबर को रत्नलीला आराधना भवन जैन उपाश्रय का भव्य उद्घाटन सम्पन्न होगा। इसके बाद 23 दिसंबर को महा-भव्य पूजन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहेंगे। गुरुवर के पावन आगमन को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन एवं ग्राम पंचायत द्वारा भी व्यापक स्तर पर तैयारियाँ की जा रही हैं। कार्यक्रम को सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने हेतु सफाई, स्वच्छता, यातायात व्यवस्था, सुरक्षा एवं अनुशासन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प. पू. श्रीमद् विजय प्रबोधचंद्र सुरेश्वरजी महाराज की जीव-दया, प्रेम और करुणा से परिपूर्ण शिक्षाओं के कारण न केवल दादरा जैन समाज, बल्कि अन्य समाजों में भी विशेष उत्साह और श्रद्धा देखने को मिल रही है। सभी वर्गों के श्रद्धालु गुरुवर के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने को उत्सुक हैं। इस पावन एवं ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाने हेतु दादरा जैन समाज के अग्रणी सदस्य पूर्ण निष्ठा, समर्पण और सेवा-भाव के साथ तैयारियों में जुटे हुए हैं। तैयारियों में प्रमुख रूप से कौशिल शाह, विरल शाह, अभय शाह, जिगर शाह, चिराग शाह, पुनीत शाह, हेतल शाह, चेतन शाह, मनीष शाह, दीप शाह एवं धर्मेश शाह सहित अनेक समाजसेवी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। गुरुवर का यह पावन आगमन दादरा के लिए न केवल एक धार्मिक आयोजन है, बल्कि यह सामाजिक समरसता, आध्यात्मिक चेतना और नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने वाला एक ऐतिहासिक अवसर भी सिद्ध होगा।

दादरा में फायर मोकड्रिल का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 16 दिसंबर। गुजरात गैस, संघ प्रदेश प्रशासन और फायर विभाग द्वारा दादरा में फायर मोकड्रिल का आयोजन किया गया। दादरा के रतन पेट्रोल पंप पर आयोजित फायर मोकड्रिल में गुजरात गैस, फायर विभाग और संघ प्रदेश प्रशासन के कर्मचारी शामिल हुए और उन्होंने फायर सेफ्टी एवं अपातकालीन स्थिति से निपटने की जानकारी दी।

स्वामीः मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)